RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-301 | जयपुर, गुरुवार, 04 जून 2026 | मूल्य-4 रुपये

नींद में ही जिंदा जल गए 21 मेहमान

दिल्ली- होटल में लगी भीषण आग, मरने वालों में 11 विदेशी, 8 राजस्थान-हरियाणा के

नई दिल्ली

दिल्ली में मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 10 भारतीय और 11 विदेशी नागरिक हैं। इनमें 9 अफ्रीकी और 2 तुर्कमेनिस्तान के हैं। एजेंसी ने पहले विदेशी नागरिकों का आंकड़ा 17 बताया था।

मिली जानकारी के मुताबिक, 10 भारतीयों मृतकों में से 8 रिश्तेदार थे। इनमें 3 राजस्थान के और 5 हरियाणा के रहने वाले थे। हादसे में कुल 35 लोग घायल हुए हैं। इनमें 19 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

दिल्ली पुलिस ने होटल मालिक लवकेश बजाज को हिरासत में लिया है। बजाज पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। हादसे के बाद पुलिस उसके घर पहुंची थी। लेकिन, लवकेश परिवार समेत घर से गायब था।

दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष मलिक ने कहा, बिल्डिंग की फायर NOC नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं।

होटल से 40 लोगों का रेस्क्यू भी किया गया है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है।

तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आए लोग7

हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। मृतकों में 8 लोगों की पहचान हुई है। एक शव महिला का था, जिसका नाम नहीं पता चल सका है। अन्य 12 लोगों के जेंडर या नाम का कुछ भी पता नहीं चला है।

रेस्टोरेंट के ऊपर होटल था, आग 6 मंजिल तक पहुंची

आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने बी-एन-बी रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद होटल में ऊपर की तरफ फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और AIIMS भी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे। मैक्स अस्पताल के अधिकारी के मुताबिक कुल 39 लोगों को यहां लाया गया था। इनमें से 18 की पहले ही मौत हो चुकी थी। 5 लोगों को हल्की चोटें थीं। उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। 15 लोग आईसीयू में एडमिट हैं, इनमें से 8 वेंटिलेटर पर हैं। जिनकी हालत गंभीर है। एक व्यक्ति बहुत ज्यादा झुलस गया था, उसे सफदरजंग अस्पताल रैफर किया गया है। वहीं, AIIMS में 13 लोगों का इलाज जारी है। इनमें 3 लोग वह हैं, जिन्होंने होटल के कमरों से जान बचाने के लिए छलांग लगाई थी।

अहमदाबाद में 166 बांग्लादेशी पकड़े

300 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में लिए गए

तीन इलाकों में पुलिस का एक्शन

अहमदाबाद

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के तीन इलाकों से 300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जांच में 166 बांग्लादेशी पाए गए हैं, जबकि अन्य संदिग्ध हैं, जिनके डॉक्यूमेंट्स की जांच की जा रही है। 2 जून की रात चलाए गए अभियान में अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई की थी। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को क्राइम ब्रांच कैंपस में रखा गया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि शहर के चंदोला इलाके में लगातार चलाए जा रहे अभियानों के चलते यहां बड़ी संख्या में रहने वाले अवैध निवासी एक ही जगह पर टिके रहने से बच रहे हैं। वे अब अपनी पहचान बदलकर शहर के अलग-अलग इलाकों में किराए के मकानों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटलों, कामगारों के आवासों और व्यावसायिक स्थानों में रह रहे हैं।

पूछताछ के दौरान कुछ बांग्लादेशियों ने कबूल किया है कि वे यहां कमाए गए पैसे बांग्लादेश में रहने वाले परिवार को कैश में ही भेजते है।

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी

कोलकाता

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर टूट सामने आई है। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया।

इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं आया है। ममता के पास अब 22 विधायकों का समर्थन है। ञस्ष्ट ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष चुनने के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप लगाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच सीनियर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि ञस्ष्ट विधायक फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है।

अभिषेक बनर्जी से हमारी पार्टी और जनता का दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। अगर संबंध होता तो वे 26 दिनों तक छिपे नहीं रहते बल्कि बाहर आते। अभिषेक को चोरों की तरह पीटा गया है। पिटाई के बाद भी अभिषेक कह रहे थे कि उनकी सुरक्षा जनता करेगी। बता दें कि अभिषेक से दक्षिण सोनारपुर में 30 मई को मारपीट हुई थी। वे चुनावी हिंसा में मारे गए कार्यकर्ता के परिवार से मिलने गए थे।

ईडी की घी व्यापारी के ठिकानों पर अचानक छापेमारी, हड़कंप

बीकानेर

आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद से जुड़े मामले में लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में बीकानेर में बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पहुंची। यहां टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ईडी के अधिकारियों ने शहर की प्रसिद्ध 'कोयला गली' स्थित नामचीन घी व्यापारी 'मोहनलाल आशीष कुमार अग्रवाल' के ठिकानों पर अचानक छापेमारी की। सुबह-सुबह हुई इस बड़ी रेड से प्रदेश के पूरे व्यापारिक जगत और शहर में हड़कंप मच गया। मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, ईडी की यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद (लड्डू) से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर की गई। आरोप है कि बीकानेर की इस संबंधित फर्म ने तिरुपति मंदिर में प्रसाद बनाने के लिए घी की सप्लाई की थी। पिछले दिनों तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर देशव्यापी विवाद खड़ा हुआ था, और आशंका जताई जा रही है कि इसी मामले में वित्तीय गड़बड़ियों और सप्लाई चेन की जांच के लिए केंद्रीय एजेंसी ने यहां दस्तक दी है। ईडी के अधिकारी व्यापारी के दफ्तर और अन्य ठिकानों पर दस्तावेजों, कंप्यूटर हार्डडिस्क और बैंक खातों की गहनता से छानबीन कर रहे हैं।

रिश्वत देने वाली फैक्ट्री मालकिन को 3 साल की जेल

मसाला फैक्ट्री में मिला था मिलावटी माल

महिला ने ष्टढ्ढ की जेब में रख दिए थे जबरदस्ती 30 हजार

कोटा

कोटा एसीबी कोर्ट ने पुलिस अधिकारी को रिश्वत देने के 17 साल पुराने मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मसाला फैक्ट्री की मालकिन आजरा उर्फ हाजरा बेगम को 3 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

मसाला फैक्ट्री में मिलावटी माल मिलने पर फैक्ट्री मालकिन ने मामले को रफा-दफा करने के लिए निरीक्षण पर आए सीआई की जेब में 30 हजार रुपए रख दिए थे।

सहायक निदेशक अभियोजन जया गौतम ने बताया- मार्च 2009 में कोटा पुलिस की स्पेशल टीम ने मुखबिर की सूचना पर गुमानपुरा थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुरा में दो जगह पर मसाला फैक्ट्री पर छापा मार कार्रवाई की। सीआई नेत्रपाल की अगुवाई में टीम ने डॉ. सलीम की मसाला फैक्ट्री को चैक किया। मौके पर सलीम की पत्नी आजरा बेगम मिली। टीम को मौके पर नकली मसाला बनाने का कच्चा माल भूसा, चपड़ी व रंग मिला। साथ ही मिलावटी हल्दी, धनिया, मिर्च तैयार किए हुए मिले थे।

टीम ने सैंपल लेने के लिए खाद्य निरीक्षक चंद्रवीर सिंह जादौन को मौके पर बुलाया। उसी दौरान मामला रफा-दफा करने के लिए सलीम की पत्नी आजरा बेगम ने सीआई नेत्रपाल की पेंट की जेब में 30 हजार रुपए जबरदस्ती रख दिए।

भतीजे ने चाचा के सीने में गोली मारकर हत्या की

भरतपुर

भरतपुर में CRPF की नौकरी छोड़कर आए भतीजे ने चाचा की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद कट्टा और मोबाइल घर के पास फेंककर आरोपी फरार हो गया। पुलिस आरोपी की जंगल में तलाश कर रही है। घटना उच्चैन के चकसेना गांव में बुधवार सुबह 9 बजे हुई।

जानकारी के अनुसार, साहब सिंह (70) और उनके भतीजे अनिल उर्फ अन्नू (38) के बीच जमीन को लेकर झगड़ा हुआ था। तभी अनिल ने चाचा के गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर साहब सिंह के पड़ोसी मौके पर पहुंचे। इतने में अनिल हथियार लेकर घर से भाग गया।

साहब सिंह को पड़ोसी उच्चैन CHC ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ोसियों ने बताया कि अनिल 2 साल पहले ही CRPF से नौकरी छोड़कर घर आ गया था। साहब सिंह का बेटा भी धौलपुर पुलिस में है।

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरानी हमले में भारतीय की मौत

63 लोग घायल, कई की हालत गंभीर्र अमेरिकी ठिकानों पर भी ड्रोन अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ईरानी ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हैं। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना पर शोक जताया है।

कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कई लोगों को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद 25 एम्बुलेंस मौके पर भेजी गईं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

हमले से एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को भारी नुकसान पहुंचा। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर कुछ समय के लिए एयरपोर्ट ट्रैफिक रोक दिया गया। इससे पहले अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने बताया था कि ईरान ने कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर फिर ड्रोन हमले किए। हालांकि, सारे हमले नाकाम हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने माना है कि उन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत के दौरान उन्हें 'पागल' कहा था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह नेतन्याहू की इज्जत करते हैं और उनके साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं।

एक पॉडकास्ट में ट्रम्प ने कहा- इजराइल के लेबनान पर हमले को लेकर मैं परेशान था। मुझे बीबी (नेतन्याहू) बहुत पसंद हैं और मैं उनके साथ बहुत अच्छे से काम करता हूं।

नेतन्याहू के खिलाफ ट्रम्प की गाली-गलौज वाली खबर सबसे पहले एक्सियोस ने सोमवार को पब्लिश की थी।

नदियों को प्रदूषित करने वाले नेटवर्क को खंगालेगी एसआईटी

भ्रष्ट अधिकारियों पर कसा जाएगा शिकंजा, पुरानी एफआईआर की भी होगी दोबारा जांच

जोधपुर

देश के जोधपुर, पाली और बालोतरा जिलों में प्रदूषित नदियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआईटी का गठन किया गया है। डीजीपी (DGP) राजीव कुमार शर्मा की ओर से 2 जून को इसे लेकर आदेश जारी किए गए हैं।

यह एसआईटी इन तीन जिलों से निकलने वाली जोजरी, बांडी और लूणी नदी के प्रदूषण मामले की जांच करेगी। इसके साथ ही, इससे संबंधित सीईटीपी से लेकर राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के

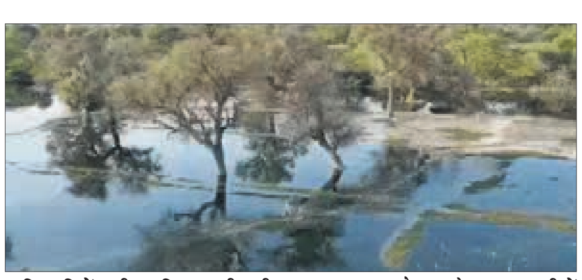

अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

इसके अलावा, एसआईटी इन तीनों जिलों में प्रदूषण के मामले में दर्ज पुरानी एफआईआर को भी खंगालेगी। साथ ही, प्रदूषण फैलाने और भ्रष्टाचार के मामले सामने आने पर नई एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।

सिविल राइट्स एंड एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग की एडीजी लवली कटीयार को इस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा तीनों जिलों के एसपी और जांच अधिकारियों को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

SIT दर्ज की गई हर एफआईआर की नए सिरे से जांच करेगी। साथ ही जोधपुर, पाली और बालोतरा में औद्योगिक कचरा (इंडस्ट्रियल वेस्ट), उसके बहाव, स्ट्रक्चर और उन गुप्त नालों (बायपास) की भी जांच की जाएगी जिनसे प्रदूषित पानी नदियों में छोड़ा जा रहा है।

सीईटीपी और अधिकारियों की भूमिका की जांच

कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के पदाधिकारियों के साथ-साथ राज्य सरकार, आरएसपीसीबी, रीको और स्थानीय निकायों के उन अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाएगी, जिन्होंने इस प्रदूषण को बढ़ावा दिया या अनदेखी की। इस नेक्सस में शामिल भ्रष्ट अधिकारियों पर भी शिकंजा कसा जाएगा।

जांच के दौरान यदि किसी भी एजेंसी या सरकारी अधिकारी का भ्रष्टाचार सामने आता है, तो उसके खिलाफ नए सिरे से मामला दर्ज करवाया जाएगा।

प्रदूषण फैलाने में मिलीभगत या रिश्वतखोरी का मामला सामने आने पर भी तुरंत एफआईआर (FIR) दर्ज की जाएगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने डी.के. शिवकुमार

बेंगलुरु

कर्नाटक की राजनीति में बुधवार को एक नए अध्याय की शुरुआत हुई, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी.के. शिवकुमार ने राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। बेंगलुरु स्थित लोक भवन के ग्लास हाउस में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर देशभर के क ई प्रमुख राजनीतिक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डी.के शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दीं। वर्षों के राजनीतिक संघर्ष, संगठनात्मक नेतृत्व और लंबे इंतजार के बाद मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे डी.के.

शिवकुमार ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर गंगाधर अज्जैया के नाम पर शपथ ग्रहण की। शपथ लेने के बाद उन्होंने राज्य के समग्र विकास, सुशासन, सामाजिक न्याय और जनकल्याण को अपनी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। कर्नाटक की नई सरकार में वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. जी. परमेश्वर को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर शपथ लेते हुए राज्य के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद की जिम्मेदारी संभाली। पार्टी नेतृत्व ने उनके प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ 12 मंत्रियों को भी शपथ दिलवाई गई। इनमें के.एच. मुनियप्पा, के.जे. जॉर्ज, एम.बी. पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरेगौड़ा, प्रियंक खरगे, यू.टी. खादर, ईश्वर खंड्रे, डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया, बायरति सुरेश और डॉ. शरण प्रकाश पाटिल शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपने पहले मंत्रिमंडल में अनुभव और युवा नेतृत्व के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है।

एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कार्यकाल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके वरिष्ठ नेताओं को दोबारा मौका दिया गया है, वहीं दूसरी ओर नए चेहरों को शामिल कर भविष्य के नेतृत्व को भी आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया है।

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से ढहा मकान

-मलबे से सुरक्षित निकाले गए छह लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भलस्वा डेरी के पास मुकुंदपुर इलाके से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ के इशु विहार की गली नंबर 1 में सुबह अचानक एक एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना भीषण था कि लगभग 250 वर्ग गज में बना एक मंजिला मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की पाँच गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँचीं। आपातकालीन और बचाव टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से फौरन सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। राहत की बात यह रही कि अब तक मलबे के नीचे से दो महिलाओं सहित कुल छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस मकान में कुछ मजदूर अपने परिवार के साथ रहते थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और मलबे को हटाया जा रहा है।

बांद्रा में बिना अनुमति उड़ाए सैकड़ों ड्रोन, पुलिस ने मैनेजर को हिरासत में लिया

-ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त, एक ड्रोन की कीमत करीब 80 हजार रुपए

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बांद्रा पश्चिम में बड़े पैमाने पर बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुंबई पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निषेधाज्ञा और सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी करते हुए मैदान में करीब 200 से 250 ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही थी सूचना मिलने पर बांद्रा पुलिस की टीम ने मौके पर छापेमारी कर एक निजी कंपनी के मैनेजर को हिरासत में लिया और बड़ी संख्या में ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक 28 मई की रात बांद्रा पुलिस स्टेशन के डिटेक्शन स्टाफ को सूचना मिली थी कि बांद्रा पश्चिम स्थित विंग्स स्पोर्ट क्लब ग्राउंड में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आसमान में सैकड़ों ड्रोन उड़ते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर ड्रोन संचालन रुकवाया और मौके पर मौजूद व्यक्ति को हिरासत में लिया जिसकी पहचान गोपाल नारायण सिंह (45) के रूप में हुई, जो दक्षिण दिल्ली के संगम विहार का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि वह बोल्डसन मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड में मैनेजर के पद पर कार्यरत है और कंपनी के विज्ञापन के लिए ड्रोन आधारित शूटिंग की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस पूछताछ में गोपाल से ड्रोन संचालन की अनुमति, आवश्यक लाइसेंस और मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय से प्राप्त मंजूरी से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। हालांकि वह कोई वैध अनुमति पत्र या अधिकृत दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में कंपनी के एक अन्य पदाधिकारी सुनील गुप्ता का नाम भी सामने आया है, जो कई विभागों से अनुमति लेने की प्रक्रिया देखता था। आरोप है कि मंजूरी प्राप्त किए बिना ही ड्रोन शो और शूटिंग शुरू कर दी गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में हाई-टेक ड्रोन, कंट्रोल सिस्टम, ऑपरेटिंग किट और एक लैपटॉप जब्त किया है।

आरे में अवैध दरगाह पर चला बुलडोजर, 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन मुक्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गोरेगांव (पूर्व) स्थित आरे मिल्क कॉलोनी (यूनिट 32) में स्थित हजरत सैयद बरकत अली शाह बाबा दरगाह पर जिला प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। करीब 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी दरगाह को ध्वस्त करने के लिए तीन बुलडोजर चलाए गए। यह कार्रवाई सुबह 11 बजे के बाद शुरू हुई और इसके मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आरोप है कि यह दरगाह दशकों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई थी, जबकि लोग इस दरगाह को पुरानी और वैध बताने का दावा कर रहे थे। आरे कॉलोनी एक सुरक्षा संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और ध्वस्तीकरण के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में जिला प्रशासन को पहले ही पत्र लिखकर अवगत कराया था, जिसके बाद प्रशासनिक स्तर पर इस मामले की कड़ी निगरानी की जा रही थी। इस मुद्दे को बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने पिछले साल अप्रैल में प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने आरे कॉलोनी में कथित अवैध दरगाह और अतिक्रमण पर कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद यह मामला काफी सुर्खियों में रहा। बीजेपी नेता सोमैया ने कार्रवाई से कुछ ही दिन पहले इस दरगाह का दौरा भी किया था।

सीएम योगी ने फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ किया

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के कुशीनगर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक बड़ा ऐलान कर फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ रखने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी ने कुशीनगर की जनता को संबोधित कर ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी दी, जिसका लोगों द्वारा लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सीएम योगी ने कहा कि अब यह क्षेत्र फाजिलनगर नहीं बल्कि पावागढ़ के रूप में मान्यता प्राप्त करेगा और इस भगवान महावीर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया, क्यों हम फाजिल कहे! और इस बदलाव को वर्तमान पीढ़ी का बड़ा सौभाग्य बताया। मुख्यमंत्री योगी ने संकेत दिया कि लोगों की मांग पर विधायक और सांसद मिलकर काम कर रहे थे, और अब नामकरण का प्रस्ताव भी आगे बढ़ा दिया गया है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का जिक्र कर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि करीब 498 वर्ष पहले एक विदेशी आक्रांता ने राम मंदिर को तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया था, और कई पीढ़ियों तक मंदिर निर्माण में बाधाएं आती रहीं। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की भाजपा सरकार के प्रयासों से ही राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो सका, जबकि कांग्रेस और सपा जैसे दल इसके मार्ग में रोड़े अटका रहे थे और घोषित रामद्रोही थे। मुख्यमंत्री योगी ने मतदाताओं की शक्ति पर जोर देकर कहा कि फाजिलनगर, पडरौना, खड्डा या हाटा जैसे क्षेत्रों में दिया गया एक-एक वोट लखनऊ और दिल्ली में अपनी ताकत दिखाता है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि इसी वोट की शक्ति से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त हुई, और पाकिस्तान को थर्रा देने वाली मिसाइलों का निर्माण लखनऊ में हो रहा है।

महाराष्ट्र और बंगाल में महिलाओं की योजना का लाखों अपात्र लोग ले रहे लाभ

राज्य सरकारें जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई सरकारी योजनाएं अब पात्रता और पारदर्शिता के सवालों के घेरे में हैं। महाराष्ट्र में लाड़की बहिन योजना से करीब 80 लाख लाभार्थियों के नाम हटाए जाने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक बहस छिड़ गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में भी लक्ष्मी भंडार योजना के तहत लाखों अपात्र लोगों के लाभ लेने का दावा किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के लिए लाई गई इन योजनाओं का लाभ दोनों ही राज्यों में पुरुष भी ले रहे थे, जिसके बाद ये कदम उठाए गए हैं। दोनों राज्यों में सरकारें अब ई-केवाईसी, दस्तावेज सत्यापन और पात्रता की नई जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी हैं, जिससे इन महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें महाराष्ट्र में प्रदेश सरकार की लाड़की बहिन योजना को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। राज्य सरकार ने अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी न करने वाले करीब 80 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए हैं। ये कार्रवाई योजना को लेकर आ रही शिकायत के बाद की गई है। इस योजना का फायदा अपात्र भी उठा रहे थे।

जांच में सामने आया था कि कुछ पुरुष और सरकारी कर्मचारी भी गलत तरीके से 1500 रुपए की मासिक राशि ले रहे थे। इस धांधली को रोकने के लिए वेरिफिकेशन और ई-केवाईसी का अभियान शुरू किया गया था। वेरिफिकेशन में एक तकनीकी पेच भी फंसा। रिपोर्ट के मुताबिक मराठी भाषा में पूछे गए एक सवाल के गलत जवाब की वजह से करीब 24 लाख महिलाओं को सरकारी कर्मचारी मान लिया गया था। हालांकि, बाद में हुई जांच में इनमें से 20 लाख महिलाएं पूरी तरह पात्र पाई गईं थीं।

प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में लाभार्थियों की संख्या कम होने को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा केवल ई-केवाईसी लंबित रहने से जुड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई अन्य कारण भी हैं। तटकरे ने बताया कि सरकार ने ई-केवाईसी के लिए शुरुआती समयसीमा तय की थी, जिसे बाद में कई बार बढ़ाया गया। कुल मिलाकर लाभार्थियों को करीब 8 से 10 महीने का समय दिया गया। उन्होंने कहा कि यह सत्यापन प्रक्रिया राज्य की सभी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं में अपनाई जाती है, केवल लाड़की बहिन योजना तक सीमित नहीं है।

मंत्री तटकरे के मुताबिक पिछले 10 महीनों में किए गए डेटा सत्यापन में 11 से 12 लाख ऐसे लाभार्थी पाए गए, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा करीब 4.75 से 5 लाख महिलाएं 65 साल की आयु सीमा पार कर चुकी हैं, जिसके कारण वे योजना के दायरे से बाहर हो गईं। तटकरे ने बताया कि करीब 14 हजार सरकारी कर्मचारी भी लाभार्थियों की सूची में शामिल पाए गए थे, इसके अलावा कुछ ऐसे किसान भी चिन्हित किए गए हैं, जो अन्य योजनाओं का लाभ भी ले रहे थे। करीब 3.25 लाख लाभार्थियों के नाम पर पंजीकृत वाहन भी पाए गए हैं।

वहीं, बीते हफ्ते पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने प्रदेश की लक्ष्मी भंडार को लेकर कहा था कि इस योजना का लाभ ले रहे कीरब 30 लाख लाभार्थी अपात्र हैं। इनमें से कई गैर-भारतीय हैं या उनके नाम वोटर लिस्ट से स्थायी रूप से हटाए जा चुके हैं। सीएम अधिकारी ने नई 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना के लिए आवेदन फॉर्म जारी किया था। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के तहत अधिकारियों द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत आवेदन किया है या एसआईआर से जुड़े ट्रिब्यूनल में वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए अपील की है, वे इस योजना के पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बड़ी संख्या में शिकायतें मिली थीं कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हट चुके हैं और जिन्होंने ट्रिब्यूनल या सीएए के तहत आवेदन नहीं किया, वे भी योजना का लाभ ले रहे थे। सरकार 1 जून से 90 दिनों तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। पंचायत क्षेत्रों में अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने का अभियान भी शुरू किया जाएगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि सत्यापन की कमी के कारण योजना में पुरुष लाभार्थियों के नाम भी शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं 2 जून तक सफलतापूर्वक नामांकन करा लेंगी, उन्हें अगले कैबिनेट बैठक के बाद डीबीटी के जरिए राशि भेजी जाएगी।

बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनेंगी वी. मोहना

-हिजाब बैन से लेकर सैन्य महिला अधिकारियों के मामलों तक की पैरवी

-शीर्ष अदालत में महिला जजों की संख्या बढ़कर दो होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने से उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। खास बात यह है कि वी. मोहना बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनने वाली दूसरी महिला होंगी। इससे पहले वर्ष 2018 में जस्टिस इंदु मल्होत्रा को वकालत से सीधे शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

59 वर्षीय वी. मोहना का न्यायिक और विधिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने वर्ष 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और तब से लगातार वकालत कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता (सीनियर एडवोकेट) का दर्जा प्रदान किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण और चर्चित मामलों में पक्ष रखा। इनमें सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों की सेवा शर्तों से जुड़े मामले, वरिष्ठ नागरिकों के संपत्ति अधिकारों से संबंधित विवाद तथा कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध से जुड़े प्रकरण प्रमुख रहे हैं।

वी. मोहना की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर दो हो जाएगी। पिछले कई महीनों से जस्टिस बी. वी. नागरत्ना शीर्ष अदालत की एकमात्र महिला जज थीं। जस्टिस नागरत्ना अगस्त 2021 से सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत हैं और वर्ष 2027 में देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना रखती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में वी. मोहना 12वीं महिला न्यायाधीश होंगी। इससे पहले जस्टिस एम. फातिमा बीवी 1989 में शीर्ष अदालत की पहली महिला जज बनी थीं। वहीं, जस्टिस इंदु मल्होत्रा बार से सीधे नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश थीं।

वंदे मातरम के पांच अंतरे हर कार्यक्रम में अनिवार्य करना अनावश्यक और बोझिल

-शशि थरूर ने वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों के शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर छिड़े एक नए विवाद के बीच, थरूर ने इस प्रथा को श्रोताओं के लिए अनावश्यक और बोझिल बताया है। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच थरूर ने कहा कि वंदे मातरम का सभी सम्मान करते हैं, लेकिन हर समारोह में इसके सभी अंतरे बजाने को अनिवार्य करना तर्कसंगत नहीं है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत है और जब इसे गाया जाता है तो हम सम्मानपूर्वक खड़े हो जाते हैं। इसका पहला अंतरा या शुरुआती दो अंतरे, ज्यादातर लोगों को मुंह जुबानी याद होते हैं। थरूर ने कहा कि परंपरागत रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता है, जबकि राष्ट्रगान अलग से, अक्सर अंत में बजाया जाता है। उन्होंने कहा कि अब वे चाहते हैं कि हर कार्यक्रम की शुरुआत में और अंत में पांचों अंतरे गाए जाएं। मुझे लगता है कि यह एक अनावश्यक थोपा हुआ नियम है। थारूर ने जोर दिया कि उन्हें राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सभी वंदे मातरम का सम्मान करते हैं। मैं खुशी-खुशी इसे आपके लिए गा सकता हूं।

बता दें वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1870 के दशक में की थी। बाद में इसे उनके प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया। यह मूल रूप से संस्कृत और बंगाली भाषा के मिश्रण में लिखा गया है। ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत देशभक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा। साल 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे राजनीतिक मंच पर गाया था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर ही सम्मान दिया जाएगा।

टीएमसी के 50 विधायक बदल सकते हैं पाला

-चुनाव चिन्ह भी पड़ सकता है खतरे में

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता से बेदखल हुई टीएमसी अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के 50 विधायक पाला बदलने के लिए सौदेबाजी करते सुनाई दे रहे हैं। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा सोमवार को दो विधायकों को निष्कासित किए जाने के बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि टीएमसी के करीब 50 विधायक पार्टी से अलग हो सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कई पार्षद लगातार अपने पदों से इस्तीफा दे रहे हैं और पार्टी के बड़े नेता आधिकारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। दो विधायकों के निष्कासन के बाद अब विधानसभा में टीएमसी के सदस्यों की संख्या घटकर 78 रह गई है। राजनीतिक हल्कों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि निष्कासित विधायक रीताब्रत बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व में एक नई तृणमूल का गठन किया जा सकता है, हालांकि अभी तक किसी भी नेता ने इस पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है।

दूसरी तरफ, राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इन दोनों विधायकों का विशेष रूप से जिक्र किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, हावड़ा की उलुबेरिया पूर्व सीट से विधायक रीताब्रत बनर्जी और मध्य कोलकाता के एंटाली से विधायक संदीपन साहा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर ही विधानसभा सचिवालय ने विधायक दल के जाली हस्ताक्षर का मामला पुलिस में दर्ज कराया था। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह जांच किसी अन्य दल द्वारा शुरू नहीं की गई थी, बल्कि खुद टीएमसी के इन दो विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के सामने शिकायत दर्ज कराई थी। विधायकों का आरोप था कि विपक्ष के नेता के चयन से संबंधित बैठक में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित ही नहीं हुआ था और 70 विधायकों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत है। इस पूरे विवाद ने बंगाल की सियासत को बेहद संवेदनशील मोड़ पर ला खड़ा किया है।

तो महाराष्ट्र जैसी बन जाएगी स्थिति

यदि टीएमसी के 50 विधायक अलग होकर एक नया गुट बनाते हैं, तो बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक परिदृश्य देखने को मिल सकता है। जिस तरह महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में बड़ी बगावत के बाद मूल कप्तानों को अपनी ही पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न गंवाना पड़ा था, वैसी ही स्थिति यहाँ भी बन सकती है। टीएमसी नेतृत्व ने जिन दो विधायकों पर कार्रवाई की है, उन्हें भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद वे आधिकारिक बैठकों से लगातार नदारद रहे और खुद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया। पार्टी उपाध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र में आरोप लगाया गया है कि इन विधायकों के बयान और कदम संगठन के हितों के पूरी तरह खिलाफ थे, जिसके कारण उन्हें प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया।

भजनलाल ने की पीएम मोदी से मुलाकात, सरकार के कामकाज का दिया फीडबैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात की। प्रदेश में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव के मद्देनज़र यह मुलाक़ात अहम मानी जा रही है। सीएम भजनलाल ने सरकार के कामकाज को लेकर भी पीएम मोदी को फीडबैक दिया। जानकारी के मुताबिक सोमवार को करीब एक घंटे से ज्यादा दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी। वहीं इस मुलाक़ात को प्रदेश में आगामी दिनों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों से भी जोड़ जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर से लेकर दिल्ली तक चर्चाओं का बाजार गर्म है, लेकिन असल वजह क्या है? ये कोई पुख्ता नहीं कर रहा। बता दें पिछले तीन महीने में सीएम की पीएम मोदी से यह तीसरी मुलाकात है। इससे पहले फ़रवरी और मार्च महीने में भी पीएम से मुलाक़ात हुई थी। बताया जा रहा है कि सीएम भजनलाल ने प्रदेश में जन कल्याणकारी योजनाओं सहित आगामी योजना की जानकारी पीएम मोदी को दी, साथ ही केंद्र के साथ मिलकर चल रही योजनाओं पर भी चर्चा की।

अन्नामलाई ने नितिन नवीन से की मुलाकात, अटकलों का दौर जारी

-राज्यसभा और संगठन में नई भूमिका को लेकर चर्चाएं गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच उनकी दिल्ली यात्रा ने नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। भाजपा छोड़कर नई पार्टी बनाने की अफवाहों के बीच अन्नामलाई ने पार्टी मुख्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन महामंत्री बीएल संन्तोष से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार बैठक में उनके संभावित नए दायित्वों और संगठन में भविष्य की भूमिका को लेकर चर्चा हुई।

जानकारी के मुताबिक भाजपा नेतृत्व ने अन्नामलाई को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनकी क्षमता और संगठनात्मक योगदान के अनुरूप उन्हें आगे भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देती रहेगी। बताया जा रहा है कि दिल्ली प्रवास के दौरान वह पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। अन्नामलाई की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब उनके भाजपा छोड़ने, नई राजनीतिक पार्टी बनाने अथवा राज्यसभा भेजे जाने जैसी संभावनाओं को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। हालांकि उन्होंने इन अटकलों पर खुलकर कुछ भी कहने से इनकार किया है। दिल्ली आने से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने केवल इतना कहा था, 'कृपया इंतजार कीजिए, दो दिन बाद हम बैठकर बात करेंगे।' उनके इस बयान ने राजनीतिक हलकों में उत्सुकता और बढ़ा दी है।

बहुत कम समय में पार्टी का प्रमुख चेहरा बने

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई वर्ष 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे। कम समय में ही उन्होंने तमिलनाडु में पार्टी के प्रमुख चेहरों में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2021 से 2025 तक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई राज्यव्यापी अभियानों का नेतृत्व किया और युवाओं तथा सोशल मीडिया पर मजबूत जनाधार तैयार किया। हाल ही में संपन्न तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हुईं, क्योंकि पार्टी का प्रमुख चेहरा होने के बावजूद उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। इसके अलावा कक्षा नौ के विद्यार्थियों के लिए त्रिभाषा नीति को लेकर केंद्र सरकार के निर्णय पर उनकी आलोचनात्मक टिप्पणी ने भी राजनीतिक बहस को हवा दी और पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए। फिलहाल भाजपा नेतृत्व और अन्नामलाई की बैठकों पर सभी की नजरें टिकी हैं। आने वाले दिनों में उनकी भूमिका को लेकर कोई महत्वपूर्ण घोषणा होने की संभावना जताई जा रही है।

नीट मामला और प्रशासनिक चूकों को लेकर युवा कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से तत्काल हटाए जाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। भारतीय युवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ अपने देशव्यापी आंदोलन को और उग्र करने का ऐलान किया है। युवा कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से तत्काल हटाए जाने की अपनी मांग को दोहराया है। कांग्रेस की युवा इकाई ने साफ कहा है कि परीक्षाओं से जुड़े बार-बार के विवादों ने देश की शिक्षा व्यवस्था और चयन प्रक्रियाओं में छात्रों के भरोसे को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है।

कांग्रेस की युवा इकाई ने कहा कि वह कई राज्यों में विरोध प्रदर्शनों का नया चरण शुरू करेगी जिसके तहत मशाल जुलूस निकाले जाएंगे, छात्रों से संपर्क करने के कार्यक्रम चलाए जाएंगे और प्रदर्शन एवं घेराव किया जाएगा। संगठन ने कहा कि परीक्षाओं संबंधी बार-बार पैदा होने वाले विवादों से शिक्षा व्यवस्था में छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए कई राज्यों का दौरा करेंगे। यह अभियान महाराष्ट्र, तेलंगाना, असम, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में चलाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा संबंधी अनियमितताएं होने और प्रशासनिक चूक के कारण छात्रों को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने परीक्षाएं कराने से जुड़ी संदिग्ध संस्थाओं को ठेके दिए जाने संबंधी खबरों पर भी चिंता जताई। भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी मनीष शर्मा ने कहा कि इस देश के छात्र रोजगार, न्याय और जवाबदेही के हकदार हैं। इसके बजाय उन्हें प्रश्नपत्र लीक, अनिश्चितता और चरमराई हुई परीक्षा व्यवस्था मिली है। उन्होंने कहा कि संगठन अपना विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रखेगा, जब तक जवाबदेही तय नहीं होती और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को हटाया नहीं जाता।

चिब ने सरकार पर छात्रों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि परीक्षाओं के पेपर लीक होने एवं अनियमितताओं के कारण युवा अभ्यर्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब हम इस आंदोलन को पूरे देश में तेज कर रहे हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक पीएम मोदी धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने के लिए मजबूर नहीं हो जाते।

सिंधु जलसंधि पर खेल-1 अगस्त से भारत कर रहा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स का काम शुरु

-चिनाब नदी के पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा, 2029 तक का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार इस साल 1 अगस्त से अपने सबसे महत्वाकांक्षी नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स में से एक पर काम शुरू करने जा रही है। करीब 2,300 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को 31 जुलाई 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके तहत चिनाब नदी के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनएचपीसी के एक दस्तावेज के मुताबिक 'लिंक-3 प्रोजेक्ट' हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले की लाहौल घाटी में चिनाब नदी पर प्रस्तावित है। इस योजना के तहत चिनाब नदी पर 19 मीटर ऊंचा बैराज बनाया जाएगा। इसके साथ एक इंटेक स्ट्रक्चर और करीब 8.7 किलोमीटर लंबी जल परिवहन सुरंग का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के दूसरे चरण में जलविद्युत उत्पादन की भी संभावना रखी गई है। दस्तावेज में बताया गया है कि प्रस्तावित बैराज के आसपास का इलाका बेहद दुर्गम और पहाड़ी है। यहां चिनाब नदी एक चौड़ी यू-आकार की घाटी से होकर बहती है। क्षेत्र की ऊंचाई करीब 3,095 मीटर से लेकर 6,517 मीटर तक है और यहां तीखी पर्वत श्रृंखलाएं और गहरी घाटियां मौजूद हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक करीब 8.7 किलोमीटर लंबी यह सुरंग चिनाब बेसिन के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी प्रणाली में पहुंचाएगी। इस परियोजना को पाकिस्तान के लिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि चिनाब सिंधु जल संधि के तहत पश्चिमी नदियों में शामिल है, जिन पर भारत के अधिकार सीमित रहे हैं। हालांकि, पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस संधि को लेकर कड़ा रुख अपना लिया था। पानी मोड़ने का प्रस्तावित स्थल कोस्कर गांव के पास स्थित है और यह अटल टनल रोहतांग के उत्तरी छोर से आगे पड़ता है।

इस परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ एक इंजीनियरिंग या जलविद्युत परियोजना नहीं है, बल्कि पश्चिमी नदियों के पानी के बेहतर उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय नीति निर्माताओं और जल विशेषज्ञों का लंबे समय से मानना है कि पश्चिमी नदियों का काफी पानी पर्याप्त भंडारण और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बिना इस्तेमाल हुए पाकिस्तान की ओर बह जाता है। चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना को इसी समस्या के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार को उम्मीद है कि इस परियोजना से उत्तर भारत में जलविद्युत उत्पादन की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। अधिकारियों के मुताबिक दूसरे चरण में पानी के इस नए प्रवाह का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है। हिमालयी नदियों को भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों में गिना जाता है। ऐसे समय में जब देश थर्मल पावर पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है, यह परियोजना ऊर्जा और जल प्रबंधन दोनों दृष्टि से अहम मानी जा रही है।

पंचायत व निकाय चुनाव पर नया मोड़ः राज्य निर्वाचन आयोग ने अचानक मांगे आरक्षण के नए आंकड़े, फिर टल सकते हैं चुनाव

निर्वाचन आयोग के इस औचक कदम से प्रशासनिक हल्कों में मची खलबली; बाड़ेबंदी और चुनावी तैयारियों में जुटे राजनेताओं के समीकरण गड़बड़ाए

स्मार्ट हलचल|जयपुर

राजस्थान में लंबे समय से लंबित चल रहे पंचायतीराज और नगरीय निकाय चुनावों को लेकर एक बार फिर बड़ा और अप्रत्याशित मोड़ सामने आया है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अचानक एक आदेश जारी कर सभी संबंधित विभागों से आरक्षण के नए और संशोधित आंकड़े तलब कर लिए गए हैं। आयोग के इस औचक कदम के बाद प्रदेश के राजनीतिक गलियारों और प्रशासनिक हल्कों में भारी सुगबुगाहट शुरू हो गई है कि प्रदेश

में होने वाले स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव एक बार फिर आगे के लिए टल सकते हैं।

आरक्षण के पेंच से अटकेगा चुनावी पहिया:

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, निर्वाचन आयोग द्वारा आरक्षण के नए आंकड़े मांगने के पीछे तकनीकी और कानूनी पेचीदगियां बताई जा रही हैं। नियमों के मुताबिक, नए आंकड़ों के आधार पर दोबारा से वार्डों और पंचायतों के लॉटरी सिस्टम और डि-लिमिटेशन (परिसीमन) की कवायद करनी पड़ सकती है। यदि ऐसा होता है, तो इस पूरी प्रक्रिया में कम से कम एक से दो महीने का अतिरिक्त समय लगना तय है। ऐसे में जो चुनाव बेहद नजदीक माने जा रहे थे, उन पर फिलहाल संकट के बादल मंडराते दिख रहे हैं।

नेताओं और दावेदारों की बढ़ी धड़कनें:

चुनावों में दोबारा देरी की सुगबुगाहट से उन स्थानीय नेताओं और भावी दावेदारों के समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए हैं, जो पिछले कई महीनों से क्षेत्रों में जनसंपर्क कर मोटी रकम खर्च कर रहे थे। राजनीतिक दलों में भी इस नए मोड़ के बाद टिकट वितरण और जातिगत समीकरणों को लेकर नए सिरे से माथापच्ची शुरू हो गई है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि विभाग कितनी जल्दी आयोग को ये आंकड़े सौंपता है।

पीटीआई भर्ती का रास्ता साफः चयनित अभ्यर्थियों के पेंडिंग डॉक्यूमेंट्स की जांच रिपोर्ट 20 जून तक होगी तैयार

स्मार्ट हलचल| जयपुर

राजस्थान में लंबे समय से नियुक्तियों और दस्तावेज़ सत्यापन के फेर में अटके पीटीआई (शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक) भर्ती परीक्षा के चयनित अभ्यर्थियों के लिए राहत की बड़ी खबर है। शिक्षा विभाग और संबंधित चयन बोर्ड के स्तर पर पेंडिंग चल रहे दस्तावेजों (डॉक्यूमेंट्स) की गहन जांच रिपोर्ट आगामी 20 जून तक पूरी तरह से तैयार कर ली जाएगी। इस रिपोर्ट के तैयार होने के साथ ही चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम नियुक्ति (जॉइनिंग) और सैलरी-परमानेंट (नियमितीकरण) की प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाया जा सकेगा।

दस्तावेजों के फेर में अटकी थी प्रक्रिया:

गौरतलब है कि पीटीआई भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी होने के बाद कई अभ्यर्थियों के विभिन्न डिग्रियों, खेल प्रमाण पत्रों और अन्य तकनीकी दस्तावेजों में विसंगतियों व पेंडिंग मामलों के चलते उनकी अंतिम नियुक्ति सूची और नियुक्ति आदेश विभाग स्तर पर अटके हुए थे। इसके कारण चयनित होने के बावजूद अभ्यर्थी लंबे समय से मानसिक तनाव और आर्थिक नुकसान झेल रहे थे। अब विभाग ने मुस्तैदी दिखाते हुए इन सभी लंबित फाइलों के निस्तारण के लिए समय-सीमा (डेडलाइन) तय कर दी है।

20 जून की डेडलाइन तय, विभाग में बढ़ी हलचल:

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षा निदेशालय और उच्च स्तरीय जांच समितियों को 20 जून तक सभी पेंडिंग डॉक्यूमेंट्स की जांच पूरी कर अंतिम रिपोर्ट सौंपने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। इस जांच रिपोर्ट के सकारात्मक आते ही पात्र पाए जाने वाले सभी अभ्यर्थियों को जिला आवंटन और काउंसलिंग के जरिए स्कूलों में पदस्थापन (जॉइनिंग) दे दी जाएगी, जिससे उनका परमानेंट कैडर और नियमित वेतन शुरू होने का रास्ता पूरी तरह साफ हो जाएगा। इस फैसले के बाद प्रदेश भर के चयनित पीटीआई अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

खेरुणा में भागवत कथा के तीसरे दिन कर्म, भक्ति और सदाचार का गूंजा संदेश

स्मार्ट हलचल

खेरुणा। ग्राम खेरुणा में आयोजित हरि बोल श्रीमद् पुरुषोत्तम भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास पंडित सत्यनारायण महाराज ने श्रद्धालुओं को कर्म, भक्ति, वैराग्य और सदाचार का महत्व बताते हुए आध्यात्मिक ज्ञान की अमृतवर्षा की। कथा पांडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भक्ति रस का आनंद लिया।

महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि कर्म मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं और मनुष्य को सदैव धर्म, सत्य एवं सत्कर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को भगवान से सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा के साथ प्रार्थना करने का संदेश देते हुए कहा कि भगवान समदर्शी, दयालु और करुणामय हैं। उनकी शरण में जाने वाला व्यक्ति जीवन का वास्तविक कल्याण प्राप्त करता है।

उन्होंने पारस पत्थर का उदाहरण देते हुए बताया कि जिस प्रकार पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, उसी प्रकार भगवान भी अपने भक्तों के दोषों और पूर्व कर्मों का विचार किए बिना अपनी कृपा से उनका

उद्धार कर देते हैं। साथ ही उन्होंने सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं धर्म प्रतीकों के सम्मान की आवश्यकता पर बल दिया।

कथा के दौरान महाराज ने कहा कि मनुष्य का हृदय भगवान का निवास स्थान है, इसलिए उसे सदैव पवित्र और निर्मल रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि माता बच्चों की प्रथम गुरु होती है, जो अपने संस्कारों से उनके व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण करती है। भक्त ध्रुव का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मात्र पांच वर्ष की आयु में ध्रुव ने कठोर तपस्या कर भगवान की प्राप्ति की थी।

महाराज ने प्रेम और आसक्ति के अंतर को समझाते हुए कहा कि प्रेम सभी से करना चाहिए, लेकिन आसक्ति केवल भगवान से रखनी चाहिए। जड़ भरत की कथा के माध्यम से उन्होंने वैराग्य और आत्मज्ञान का महत्व बताया। साथ ही चेतावनी दी कि पाप मुख्य रूप से आंखों और कानों के माध्यम से मन में प्रवेश करता है, इसलिए इंद्रियों पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है।

कथा में अजामिल प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान का नाम मात्र एक बार लेने से भी जीव का उद्धार हो सकता है। इसके अलावा मरुद्गणों की उत्पत्ति, भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान नरसिंह के अवतार, देवताओं एवं असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन तथा वामन अवतार द्वारा राजा बलि से तीन पग भूमि मांगने जैसे प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया गया।

कथा के अंत में श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर दिखाई दिए। पूरे पांडाल में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

विधायक खंडेलवाल ने लक्ष्मीखेड़ा में किया 1 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण

जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। ग्राम पंचायत लक्ष्मीखेड़ा के (देवरी की नूण) स्थित प्रसिद्ध नागेश्वर महादेव मंदिर परिसर में विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल रहे जिन्होंने क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे की बड़ी सौगातें दीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र कुमार बंजारा ने की। इस अवसर पर विकास अधिकारी अशेष शर्मा सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रमुख विकास कार्य जिनका हुआ शिलान्यास और लोकार्पण:

उप स्वास्थ्य केंद्र, लक्ष्मीखेड़ा (शिलान्यास) : क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 50 लाख की लागत से बनने वाले नए उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया गया।

उप स्वास्थ्य केंद्र, खेराडिया (लोकार्पण): 50 लाख की लागत से बनकर तैयार हुए उप स्वास्थ्य केंद्र का फीता काटकर लोकार्पण किया गया।

छायाग्रह, मंदिर परिसर (लोकार्पण) विधायक कोष से 5 लाख की राशि से निर्मित नवनिर्मित छायाग्रह का लोकार्पण किया गया, जिससे मंदिर

आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी।

विधायक ने की जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए निर्देश

कार्यक्रम के दौरान विधायक गोपाल खंडेलवाल ने उपस्थित जनमानस से सीधा संवाद किया। ग्रामीणों ने अपनी मूलभूत समस्याओं और आवश्यकताओं से विधायक को अवगत कराया। विधायक ने संवेदनशीलता के साथ सभी की बातें सुनीं और समस्याओं के त्वरित व उचित निराकरण के लिए आश्वस्त किया। मौके पर ही मौजूद विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों को विधायक ने जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के कड़े निर्देश दिए।

इस मौके पर विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास और हर नागरिक तक स्वास्थ्य सुविधाएं व मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से स्थानीय निवासियों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

इस दौरान दौरान विशिष्ट अतिथि प्रशासक शांति देवी मेघवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज गोधा, मंडल उपाध्यक्ष प्रकाश शर्मा, मंडल महामंत्री मुकेश धनोपिया, मुकेश धाकड़, प्रशासक प्रतिनिधि लोकेश मेघवाल और पंचायत समिति सदस्य अभिषेक सर्वा, कोषाध्यक्ष शंकर बंजारा, पूर्व मंडल महामंत्री अनिल खटीक, बूथ अध्यक्ष महेंद्र गुर्जर, नंदलाल दरोगा, मुकेश बंजारा, उप प्रशासक चेनाराम बंजारा, नृसिंह बंजारा, घनश्याम धाकड़, नारायण धाकड़, शंकर धाकड़, जालम सिंह, राजू बंजारा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

12 साल बाद हटाया अतिक्रमण

स्मार्ट हलचल

ग्राम कांस्या स्थित पटवारी हल्का बांकरा के बिलानाम आराजी नंबर 1036/978 पर करीब 12 वर्षों से किए गए अवैध अतिक्रमण को बुधवार को प्रशासन ने हटवा दिया। तहसीलदार जहाजपुर के आदेश पर नायब तहसीलदार खजूरी के नेतृत्व में राजस्व टीम एवं पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

तहसीलदार कार्यालय जहाजपुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष राजस्व टीम का गठन किया गया था नायब तहसीलदार बद्रीलाल मीणा की मौजूदगी में टीम में पटवारी आदेश कुमार मीणा, नारायण लाल धाकड़ एवं इस्लाम हुसैन शामिल रहे। टीम ने मौके पर पहुंचकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की विवाद की स्थिति से निपटने एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस थाना शक्करगढ़ से सहायक उपनिरीक्षक दिनेश कुमार, हेड कांस्टेबल सियाराम मीणा, कांस्टेबल छोटूराम, संदीप एवं सुरेश कुमार सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। वहीं ग्राम पंचायत द्वारा जेसीबी मशीन उपलब्ध करवाई गई, जिसकी सहायता से अतिक्रमण हटाया गया।

लॉरेंस जैसी फोटो लेना' अजमेर में अवैध हुक्का बार पर छापे में गिरफ्तार एएसआई के बिगड़े बोल, एसपी ने किया सस्पेंड

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अजमेर में अवैध हुक्का बार पर पुलिस की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार हुए पुलिस लाइन में तैनात एएसआई अनिल जाखड़ एक बार फिर चर्चा में रहा। एडीएम कोर्ट में पेशी के लिए ले जाते समय मीडिया कर्मियों से उसने कहा- मेरी फोटो लॉरेंस बिश्नोई जैसी लेना, ढंग की फोटो आनी चाहिए। एएसआई के इस बयान और पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले को गंभीर मानते हुए अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने एएसआई अनिल जाखड़ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अनिल जाखड़ के खिलाफ पूर्व में भी विभागीय कार्रवाई हो चुकी है।

दरअसल देर रात करीब 11:30 बजे गंज थाना पुलिस और सीओ दरगाह की टीम ने बोराज रोड स्थित धानुका गार्डन के पास संचालित सीएनसी कैफे पर छापा मारा था। पुलिस को यहां अवैध रूप से हुक्का परोसे जाने की सूचना मिली थी। कार्रवाई के दौरान कई युवक हुक्का पीते मिले, जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि कैफे में मौजूद 19 वर्षीय जतिन बिना लाइसेंस और अनुमति के ग्राहकों को विभिन्न फ्लेवर के हुक्के उपलब्ध करा रहा था। पुलिस ने राजस्थान धूम्रपान निषेध

एवं गैर-धूम्रपानकर्ताओं के स्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम, 2000 की धारा 9/11 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इसी दौरान मौके पर मौजूद एएसआई अनिल जाखड़ ने कथित रूप से पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस का कहना है कि समझाने के बावजूद वह नहीं माना और पुलिस कार्य में बाधा डालने लगा। इसके बाद उसे शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मौके पर उसने खुद को हुक्का बार का मालिक भी बताया। वहीं प्रारंभिक जानकारी में उसके बेटे द्वारा कैफे संचालित किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अवैध हुक्का बार का वास्तविक संचालक कौन है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 4 हुक्के, 4 चिलम और अन्य सामग्री जब्त की। वहीं हुक्का पीते पाए गए 10 युवकों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 200-200 रुपए के चालान काटे गए और कुल 2 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। कोर्ट में पेशी के दौरान भी एएसआई अनिल जाखड़ का रवैया चर्चा में रहा। वह पुलिसकर्मियों के कंधों पर हाथ रखकर चलता नजर आया और पुलिस वाहन में बैठाने के दौरान भी अपने बयानों से लोगों का ध्यान खींचता रहा, फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

श्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के चुनाव रामेश्वरम् भवन में 6 जून को

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा द्वारा सत्र 2026-2029 के चुनावों की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। सभा के अध्यक्ष एवं कार्यसमिति सदस्यों के निर्वाचन हेतु मतदान प्रक्रिया 6 जून 2026, शनिवार को रामेश्वरम् भवन, हरणी महादेव रोड, भीलवाड़ा में आयोजित की जाएगी। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन, जांच, नाम वापसी, अंतिम प्रत्याशी सूची प्रकाशन, मतदान, मतगणना और शपथ ग्रहण की समस्त प्रक्रिया एक ही दिन में पूरी की जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी रतन लाल मंडोवरा ने बताया की अध्यक्ष एवं कार्यसमिति सदस्य पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रातः 8.15 बजे से प्रारंभ होकर 9.00 बजे तक चलेगी। इसके पश्चात वैध नामांकनों की जांच और सूची का प्रकाशन किया जाएगा। नाम वापसी की अंतिम समय सीमा भी निर्धारित की गई है, जिसके बाद अंतिम प्रत्याशियों की सूची जारी होगी। यदि आवश्यक हुआ तो मतदान सुबह 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक कराया जाएगा तथा मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना, परिणाम घोषणा एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित होगा। साथ ही अध्यक्ष को कार्यकारी मंडल एवं कार्यसमिति में पांच-पांच सदस्यों के मनोनयन का अधिकार भी रहेगा। मंडोवरा ने बताया की यदि निर्धारित पदों के बराबर ही आवेदन प्राप्त होते हैं तो निर्विरोध निर्वाचन घोषित कर आगे की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ कर दी जाएगी। चुनाव के बाद पदाधिकारियों के चयन हेतु अलग से नामांकन एवं निर्वाचन प्रक्रिया भी उसी दिन सम्पन्न होगी। मतदाता सूची सभा कार्यालय में प्रदर्शित कर दी गई है। इच्छुक सदस्य निर्धारित शुल्क जमा कर मतदाता सूची की प्रति सभा कार्यालय बी-2 (बेसमेंट), एच.आर.जे. प्लाजा, भीलवाड़ा से प्राप्त कर सकते हैं।

धौलपुर में एसीबी का बड़ा धमाकाः मनरेगा मस्टरोल जारी करने के एवज में जूनियर असिस्टेंट 25,000 की घूस लेते ट्रैप

स्मार्ट हलचल|धौलपुर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने प्रदेश में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ चलाई जा रही जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बुधवार (3 जून) को धौलपुर जिले में एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की टीम ने जिले की रतनपुर ग्राम पंचायत में कार्यरत कनिष्ठ सहायक (जूनियर असिस्टेंट) को परिवादी से 25,000 रुपये की मोटी रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मस्टरोल जारी करने के एवज में इस घूस की मांग कर रहा था।

मस्टरोल निकालने के नाम पर अटका रखा था काम:

एसीबी के उच्चाधिकारियों से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक पीड़ित परिवादी ने एसीबी कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि रतनपुर पंचायत का कनिष्ठ सहायक मनरेगा योजना के अंतर्गत मस्टरोल जारी करने और श्रमिक कार्यों की स्वीकृति के एवज में उसे लगातार चक्कर कटवा रहा है तथा इस काम को अमलीजामा पहनाने के लिए 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगकर परेशान कर रहा है।

शिकायत सत्यापन के बाद बिछाया जाल, रंगे हाथों दबोचा:

परिवादी की इस गंभीर शिकायत पर एसीबी की तकनीकी टीम ने तत्काल कूटनीतिक स्तर पर मामले का गोपनीय भौतिक सत्यापन करवाया। सत्यापन के दौरान कनिष्ठ सहायक द्वारा 25,000 की घूस मांगे जाने की पुष्टि पूरी तरह सही पाई गई। इसके बाद एसीबी की विशेष टीम ने बुधवार को रतनपुर में जाल बिछाया। परिवादी को जैसे ही आरोपी कनिष्ठ सहायक ने रिश्वत की रकम लेकर अपने पास बुलाया, वैसे ही परिवादी ने उसे केमिकल लगे नोट सौंप दिए। नोट हाथों में लेते ही वहां घात लगाकर बैठी एसीबी की टीम ने आरोपी को मौके पर ही धर दबोचा। पानी से हाथ धुलवाते ही कनिष्ठ सहायक की उंगलियां गुलाबी रंग में रंग गईं।

अग्रिम जांच जारी, ठिकानों पर तलाशी की तैयारी:

एसीबी टीम ने रिश्वत की पूरी राशि मौके पर ही बरामद कर कनिष्ठ सहायक को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है। ब्यूरो की टीम द्वारा आरोपी के धौलपुर स्थित आवास और अन्य संभावित ठिकानों पर भी सर्च ऑपरेशन (छापेमारी) शुरू करने की कसरत तेज कर दी गई है, ताकि आय से अधिक संपत्ति या अन्य मामलों का पता लगाया जा सके। इस बड़ी कार्रवाई के बाद से धौलपुर जिले के पंचायतीराज महकमे और अन्य सरकारी दफ्तरों में हड़कंप का माहौल बना हुआ है।

पोकरण-जैसलमेर हाईवे पर अचानक संतुलन बिगड़ने से हुआ हादसा मृतकों में चिकित्सा जगत की जानी-मानी शख्सियत शामिल

स्मार्ट हलचल| जैसलमेर

सरहदी जिले जैसलमेर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहाँ एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गई, जिससे कार में सवार जिले के एक वरिष्ठ डॉक्टर सहित चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार ताश के पत्तों की तरह बिखर कर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई। इस हृदयविदारक घटना की सूचना मिलते ही पूरे जिले के चिकित्सा महकमे और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

अंधेरे मोड़ पर संतुलन बिगड़ने से पलटी कार:

पुलिस और प्रशासनिक सूत्रों से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा पोकरण-जैसलमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर घटित हुआ। कार में सवार सभी लोग जैसलमेर की ओर जा रहे थे कि तभी एक तीव्र मोड़ पर चालक का वाहन की गति अधिक होने के कारण स्टीयरिंग से नियंत्रण खो गया। अनियंत्रित हुई कार सड़क सुरक्षा बैरियर को तोड़ते हुए कई फीट गहरी खाई में जा गिरी और तीन से चार बार पलट गई। हादसे की आवाज इतनी जोरदार थी कि आस-पास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत बचाव के लिए खाई की तरफ दौड़े।

क्रेन और कटर की मदद से बाहर निकाले शव:

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और आपातकालीन टीम तुरंत मौके पर पहुंची। कार के परखच्चे उड़ जाने के कारण शव भीतर ही बुरी तरह फंस गए थे, जिन्हें पुलिस ने क्रेन और हाइड्रोलिक कटर की मदद से भारी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। डॉक्टरों की टीम ने मौके पर ही चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में जिले के एक प्रतिष्ठित और वरिष्ठ सरकारी चिकित्सक भी शामिल हैं, जो लंबे समय से जिले में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके साथ कार में सवार अन्य तीन मृतक भी उनके करीबी व स्थानीय निवासी बताए जा रहे हैं।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, पुलिस जांच में जुटी:

पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। अस्पताल परिसर में परिजनों और शुभचिंतकों की भारी भीड़ जमा हो गई, जहां कोहराम मचा हुआ है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना के सटीक कारणों और आंकड़ों का पता लगाने के लिए तकनीकी टीम द्वारा कार की जांच की जा रही है। प्राथमिक दृष्टि से दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और मोड़ पर सामने कोई मवेशी आ जाना या झपकी आना माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हिन्दुस्तान जिंक शिक्षा संबंल कार्यक्रम में हुए 1600 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

समर कैंप में अंग्रेजी, गणित और विज्ञान में पारंगत होने के साथ ही दिया सर्वांगीण विकास पर बल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। हिन्दुस्तान जिंक द्वारा चलायें जा रहे शिक्षा संबंल कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों में राज्य के 6 जिलों उदयपुर, सलुम्बर, राजसमंद, चित्तौडगढ़, भीलवाड़ा एवं अजमेर के राजकीय विद्यालयों के 1600 से अधिक बच्चें उत्साह से भाग ले रहे है। इन प्रशिक्षण शिविरों में बच्चों को विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषयों के साथ ही शारीरिक, खेलकूद, बौद्धिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोडकर उनके सर्वागिंण विकास की और अग्रसर किया जा रहा है। छात्रों की भागीदारी और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के तहत, इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 9वें ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्घाटन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आगूचा में किया गया। इस अवसर पर आईबीयू सीईओ आगूचा राममुरारी, एसीबीईओ शिवकुमार टेलर, आगूचा माइन के हेड सीएसआर भुवनेश शर्मा, अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। शिविर में बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास इस बात को साबित करने के लिए अनुकुल थे कि उन्हें पढ़ाई मे रूचि के साथ साथ अपने गुरूजनों से अभिभावकों जैसा व्यवहार और मार्गदर्शन उन्हें घर से दूर घर सा ही वातावरण दे रहे है जो कि उनके भविष्य की नींव के लिए अमूल्य है। इस शिविर में 10 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 200 से अधिक छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया है। शैक्षणिक विषयों के साथ-साथ, ये शिविर कौशल विकास, व्यक्तित्व निखार, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों पर भी विशेष जोर देते हैं, जिससे छात्रों को अपनी शैक्षिक और व्यक्तिगत क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा विद्या भवन सोसायटी उदयपुर के सहयोग से आयोजित 9वें आवासीय ग्रीष्मकालीन शिविर का औपचारिक शुभारंभ विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल किया गया। 20 मई 2026 से 19 जून 2026 तक आयोजित होने वाले इस आवासीय प्रशिक्षण शिविर में 340 से अधिक बच्चें 8 वीं, 10 वीं कक्षा एवं 12वीं कक्षा के मार्गदर्शन हेतु भाग ले रहे है। इस बार 6 लोकेशन चंदेरिया, दरीबा, देबारी, कायड़, आगूचा और जावर पर आयोजित गैर आवासीय कैम्पों में 1200 विद्यार्थी तथा उदयपुर में आयोजित 3 आवासीय कैंपों में सभी लोकेशन से आए कक्षा 10 के लगभग 240, कक्षा 8 के 50 और कक्षा 12 (विज्ञान संकाय) के 50 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस वर्ष आवासीय कैम्प में डिजिटल कक्षाएं, ऑडियो-विजुअल सामग्री, हैंड्स-ऑन गतिविधियां, मिट्टी कला, पॉटरी, वेस्ट सामग्री से क्रिएटिव निर्माण और रोबोटिक्स जैसी उभरती तकनीकों को भी शामिल किया गया है। 10 वर्ष पूर्व प्रायोगिक तौर पर शुरू किये गये इस आवासीय शिविर की सफलता उनकी बढ़ती हुई संख्या से सिद्ध होती है। परिणामों को बेहतर बनाने और शिक्षा की पद्धति इस कार्यक्रम और शिविरों की अद्वितीय खासीयत है। हिन्दुस्तान जिंक सदैव आगे बढ़कर ग्रामीण बच्चों के संपूर्ण विकास के लिये आगे आता रहा है शिक्षा संबंल कार्यक्रम के तहत् अध्यापन में अभाव महसूस कर रहे बच्चों के लिये 20 वर्षो से लाभान्वित किया जा रहा है। ग्रीष्मकलीन प्रशिक्षण शिविरों में शिक्षण के साथ ही कौशल विकास, व्यवहार तथा अन्य गतिविधियों जैसे खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमो से बच्चों में व्यक्तिगत और शिक्षात्मक सुधार का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षा संबंल कार्यक्रम के तहत् हिन्दुस्तान जिंक द्वारा 10वीं कक्षा से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सरकारी विद्यालयों में जहा पद रिक्त है विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी के विषयध्यापकों द्वारा शिक्षा दी जा रही हैं। इस आवासीय प्रशिक्षण शिविर में 8वीं, 10वीं एवं 12वीं कक्षा में इस वर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा अध्यापन कराया जा रहा है जिससे वे इन विषयों के बारें में सामान्य जानकारी को रूचिकर तरिकों से सीख सकें।

48 घंटे में पानी-बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। नगर कांग्रेस कमेटी बिजयनगर के अध्यक्ष अंकित तातेड़ ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शहर में चरमराई पेयजल व्यवस्था और अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि कई वार्डों में पिछले 7 दिनों से पेयजल सप्लाई नहीं हुई है, जबकि बार-बार की बिजली कटौती से स्थिति और गंभीर हो गई है। कांग्रेस ने प्रशासन से 48 घंटे के भीतर सभी वार्डों में नियमित पानी की आपूर्ति और अघोषित बिजली कटौती पर रोक लगाने की मांग की है।

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में सुधार नहीं होने पर आम जनता के साथ उग्र आंदोलन और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

बजरी माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा

डंपर व ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, चालक फरार

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। फूलियाकलां-अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फूलियाकलां थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों से एक डंपर और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय बजरी कारोबारियों और माफियाओं में हड़कंप मच गया।

थानाधिकारी राजकुमार नायक ने बताया कि पुलिस टीम ने कस्बे के केकड़ी रोड स्थित खारी नदी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरे एक डंपर को जब्त किया। वहीं दूसरी कार्रवाई कनेछन कलां के समीप की गई, जहां बजरी परिवहन में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लिया गया।

पुलिस की दबिश के दौरान दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए। जब्त किए गए डंपर एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली को थाने लाकर सुरक्षित खड़ा किया गया है। फरार चालकों की तलाश के लिए पुलिस टीम जुटी हुई है।

थानाधिकारी नायक ने बताया कि अवैध खनन और बजरी परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी तथा ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई को अवैध बजरी माफिया पर बड़ी चोट माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की पहल का स्वागत किया है।

उपजिला अस्पताल के प्रस्तावित भवन का विरोध, वर्तमान अस्पताल परिसर में निर्माण और डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। नगर में प्रस्तावित उपजिला चिकित्सालय भवन के निर्माण स्थल को लेकर विरोध तेज हो गया है। बुधवार को जहाजपुर नगर के नागरिकों ने उपखंड अधिकारी छत्रपाल सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर नए अस्पताल भवन का निर्माण वर्तमान अस्पताल परिसर में ही कराने तथा रिक्त पदों पर चिकित्सकों की नियुक्ति करने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि नगर पालिका क्षेत्र में स्थित वर्तमान अस्पताल भवन करीब 60 वर्षों से पर्याप्त भूमि पर संचालित हो रहा है तथा परिसर में अभी भी पर्याप्त खाली भूमि उपलब्ध है। यह स्थान नगरवासियों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए भी सुगम एवं सुविधाजनक है।

नागरिकों ने आरोप लगाया कि 48 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित नए उपजिला चिकित्सालय भवन का निर्माण नगर से लगभग चार किलोमीटर दूर किया जाना प्रस्तावित है। यह भूमि नागदी बांध के भराव क्षेत्र में स्थित बताई गई है, जहां पहाड़ियों से आने वाला वर्षाजल भी होकर गुजरता है। ऐसे में अस्पताल निर्माण से बांध के जलभराव क्षेत्र और जल आवक प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही भविष्य में अस्पताल से निकलने वाला मेडिकल वेस्ट भी जल स्त्रोत को प्रदूषित कर सकता है, जिससे नागदी बांध की शुद्धता और पवित्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विकास कार्यों के नाम पर नगर के कई जल स्त्रोतों का अस्तित्व पहले ही प्रभावित हो चुका है और वर्तमान में नागदी बांध ही प्रमुख जलाशय के रूप में बचा हुआ है। इसके संरक्षण को देखते हुए अस्पताल भवन का निर्माण अन्यत्र नहीं किया जाना चाहिए।

नागरिकों ने यह भी बताया कि वर्तमान चिकित्सालय में कई चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ के पद रिक्त हैं, जिसके कारण मरीजों को उपचार के लिए बाहर जाना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित भवन निर्माण को निरस्त कर वर्तमान अस्पताल परिसर में ही नया भवन बनाया जाए तथा रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्तियां की जाएं।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि सात दिनों के भीतर मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो जहाजपुरवासी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत विशेष शिविरों का आयोजन 30 जून तक

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भारत सरकार, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा राजस्थान सरकार स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 1 जून से 30 जून 2026 तक नगर निगम क्षेत्र में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसके माध्यम से पथ विक्रेताओं, रेहड़ी-ठेला संचालकों, छोटे व्यापारियों एवं श्रमिक वर्ग को विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जाएगा।

प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से शहरी क्षेत्र के छोटे व्यवसायियों एवं स्ट्रीट वेंडर्स को बिना गारंटी आसान ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। अभियान के दौरान पात्र हितग्राहियों हेतु प्रथम ऋण 15,000, द्वितीय ऋण 25,000 तथा तृतीय ऋण 50,000 तक उपलब्ध करवाया जाएगा। साथ ही पूर्व में स्वीकृत ऋणों को वितरण, लंबित प्रकरणों का निस्तारण तथा ऋण नवीनीकरण की कार्यवाही भी शिविरों में की जाएगी।

हितग्राही अपने साथ आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य रूप से साथ लाएं। पात्र हितग्राही शिविर में उपस्थित होकर मौके पर ही आवेदन कर सकेंगे।

विशेष शिविरों में विभिन्न राष्ट्रीकृत एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे, जो मौके पर ही आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही करेंगे। इसके अतिरिक्त डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने हेतु हितग्राहियों को यूपीआई एवं क्यूआर कोड उपलब्ध करवाए जाएंगे तथा पीएम स्वनिधि मोबाइल एप इंस्टॉल करवाकर डिजिटल लेन-देन हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

नगर निगम, आयुक्त ने शहर के समस्त पथ विक्रेताओं, रेहड़ी-ठेला संचालकों छोटे व्यापारियों, पारंपरिक कारागरों एवं आमजन से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या में शिविरों में उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

हनुमान सिंह की 21वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा और मैत्री मैच

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान खेल जगत की प्रतिष्ठित विभूति और राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री हनुमान सिंह की 21वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को मोदी ग्राउंड, भीलवाड़ा में श्रद्धांजलि सभा और हैंडबॉल मैत्री मैच का आयोजन किया गया।

जिला हैंडबॉल संघ के सचिव तेजप्रताप सिंह ने बताया कि सभा में खेल, सामाजिक, प्रशासनिक और कर्मचारी संगठनों से जुड़े गणमान्य नागरिकों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने भाग लिया और स्व. हनुमान सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए। संघ अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने स्व. सिंह के खेल प्रशासन में योगदान को याद किया।

श्रद्धांजलि सभा के बाद हैंडबॉल मैत्री मैच खेला गया। इस दौरान राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष विश्वजीत सिंह, जिला सह सचिव राजेन्द्र काबरा, उमाशंकर शर्मा, गोविन्द धोबी, देशराज जाट, अर्जुन सिंह, दीपक सेन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आरकेआरसी माहेश्वरी महिला संगठन ने किया पुरुषोत्तम मास में सेवा-साधना का अनूठा उदाहरण

देवनारायण गौशाला में किए विविध सेवा कार्य, राहगीरों को गर्मी से राहत हेतु मिल्क रोज वितरण

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आरकेआरसी माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लढा एवं सचिव श्रीमती रंजना बिरला के मार्गदर्शन में समाजसेवा एवं जनकल्याण को समर्पित प्रेरणादायी सेवा कार्य आयोजित किया गए। कार्यक्रम का शुभारंभ देवनारायण गौशाला में मौजूद नन्हे बछड़ों को बोतल द्वारा दूध पिलाने से हुआ। बछड़ों की मासूम अठखेलियाँ, उनकी चंचलता और उत्साह देखते ही बनता था। इस मनोहारी दृश्य का सभी बहनों ने भरपूर आनंद लिया तथा गौसेवा के इस विशेष क्षण को आत्मसात किया। इसके पश्चात गौमाताओं को हरा चारा अर्पित किया गया। भीषण गर्मी के इस मौसम में हरे चारे का विशेष महत्व होता है, जो गौवंश के स्वास्थ्य और पोषण के लिए अत्यंत लाभकारी है। तत्पश्चात सभी गौमाताओं को केले खिलाए गए और उनके प्रति अपनी श्रद्धा एवं सेवा भाव प्रकट किया गया। इस अवसर पर गौशाला परिसर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पूजा-अर्चना कर गौमाताओं की सुख-समृद्धि की कामना की गई। साथ ही आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक पावन बनाते हुए सभी बहनों ने सामूहिक रूप से श्रीमद्भगवद्गीता के एक अध्याय का पाठ किया। गौशाला परिसर में गूंजते गीता के श्लोकों ने वातावरण को भक्तिमय और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया।

सेवा कार्य की अगली कड़ी में राहगीरों को गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु मिल्क रोज का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य श्रीमती वंदना नुवाल के नेतृत्व में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसकी सभी ने सराहना की। यह कार्यक्रम मंडल की इंदिरा हेडा, सुमित्रा दरगड़, चंद्रकांता गगरानी, सुनीता मुंदड़ा आशा दरगड़, सुनीता काबरा, सुमन दरगड़, दीपशिखा सारडा, प्रिया न्याती, आभा माहेश्वरी, मोनिका चेचाणी, राजकुमारी राठी सहित सभी उपस्थित सदस्याओ के सहयोग, सहभागिता एवं सेवा भावना से अत्यंत सफल एवं यादगार बना। पुरुषोत्तम मास में किया गया यह सेवा कार्य न केवल गौसेवा एवं मानव सेवा का सुंदर उदाहरण है, बल्कि समाज में करुणा, संस्कार और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करता है। कार्यक्रम में महिलाओं ने सामूहिक रूप से सेवा गतिविधियों में भाग लेकर सामाजिक एकता एवं संस्कारों का संदेश दिया।

तेरापंथ सभा में घेवरचंद बाबेल और युवक परिषद में अंकित मेहता अध्यक्ष निर्वाचित

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महासभा के निर्देशानुसार स्थानीय तेरापंथ सभा के वर्ष 2026 - 28 द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुये। जिसमें घेवर चंद बाबेल को सर्व समिति से अध्यक्ष और युवक परिषद अध्यक्ष पद के लिए अंकित मेहता का चयन किया गया।

बाबेल इससे पूर्व स्थानीय सभा के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं, उन्हें इस पद के दायित्व निर्वहन का गहन अनुभव है ,जिसका लाभ समाज को अवश्य ही प्राप्त होगा ।

स्थानीय कालू कल्याण कुंज में आयोजित साधारण सभा की बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी कैलाश मेहता व दिनेश बाफना ने अध्यक्ष पद हेतु नाम आमंत्रित किया उपस्थित सदस्यों ने केवल एक ही नाम का प्रस्ताव किया ।समय सीमा समाप्त हो जाने तक दूसरा कोई नाम नहीं आने से चुनाव अधिकारियों ने श्री बाबेल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया ।नव निर्वाचित अध्यक्ष बाबेल ने अपने प्रति पूरे सदन द्वारा व्यक्त किये विश्वास के प्रति आभार प्रकट किया तथा सभी से पूर्ण सहयोग प्रदान करने की अपील की ।इसी के तुरंत पश्चात स्थानीय युवक परिषद के भी नवीन कार्यकाल के लिए चुनाव संपन्न हुये जिसमें अंकित मेहता अध्यक्ष चुने गए।

राजस्थानी खत्री अरोड़ा समाज की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा प्रोत्साहन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 14 को

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थानी अरोड़ा खत्री सर्वोच्च समिति के तत्वावधान में 14 जून 2026 को भीलवाड़ा में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शिक्षा प्रोत्साहन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 'शिक्षा का महाकुंभ-2026' को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, आयोजन स्थल, आवास व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस अवसर पर सर्वोच्च समिति एवं शिक्षा समिति के पदाधिकारियों ने भीलवाड़ा पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया तथा आयोजन की तैयारियों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण एवं बैठक में सुरेन्द्र पोपा (अजमेर), डॉ. अनिल बत्रा (जोधपुर), विजयराज आडवाणी (जोधपुर), शलभ अरोड़ा (मंदसौर), राधेश्याम अरोड़ा एवं मनोज अरोड़ा (पीपाड़), देवाशीष अरोड़ा (जोधपुर), श्याम अरोड़ा (अजमेर), जयेश अरोड़ा (जोधपुर), हरीश अरोड़ा एवं आकाश अरोड़ा (अजमेर) सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में भीलवाड़ा अरोड़ा समाज के गणमान्य सदस्य एवं महिला शक्ति ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लेते हुए समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं प्रतिभाओं के सम्मान की परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

समिति के अध्यक्ष कैलाश अरोड़ा (एडवोकेट) ने सभी अतिथियों एवं समाज जनों का आभार व्यक्त किया।

त्रिवेणी धाम सेन समाज मंदिर कमेटी घोषित

स्मार्ट हलचल

आकोला। श्री श्री 1008 श्याम जी महाराज व नारायणी माता त्रिवेणी धाम बीगोद मंदिर कमेटी के मंगलवार को सर्व सहमति से चुनाव हुए।

बैठक में सेन समाज मंदिर त्रिवेणी संगम पर आम चौखला 12 गोलाई के 104 गांवों में से 90 गांवों से समाज प्रतिनिधि एवं विभिन्न समाज कमेटी के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से सेन समाज की त्रिवेणी धाम स्थित मंदिर कमेटी कार्यकारिणी की घोषणा की गयी। जिसमें अध्यक्ष देवकिशन सेन निवासी बीगोद को बनाया गया।सचिव डालचंद सेन गांव उदलियास माफी, कोषाध्यक्ष भागचंद सेन निवासी खेरुना,सह कोषाध्यक्ष राजकुमार सेन महुआ, युवा अध्यक्ष प्रदीप सेन त्रिवेणी, युवा उपाध्यक्ष राजकुमार गडखोदिया,धीरज सेन नंदराय,विधि सलाहकार निहाल सेन, मिडिया प्रभारी जगदीश सेन ,सह मिडिया प्रभारी नारायण सेन, व्यवस्थापक योगेश सेन को बनाया गया।

चौखले के समाजजनों ने कमेटी के कृष्ण गोपाल निवासी बाकरा सहित 11 व्यक्तियों को संरक्षक बनाया। उपाध्यक्ष ताराचंद सेन बीगोद सहित 11 व्यक्ति को बनाया गया। सह सचिव मिठ्ठु लाल सेन,राम जस, महामंत्री रामदेव खरोदा सहित 11 व्यक्ति को मनोनीत किया। प्रवक्ता रामस्वरूप सेन,सह मिडिया प्रभारी नारायण सेन इटावा,सह व्यवस्था पक कालू सेन ,बबलू सेन को बनाया गया। बताया गया है कि ये नयी मंदिर विकास कमेटी बनी है जो मंदिर विकास हेतु आगामी कार्य योजना बनायेगी।

चेक अनादरण मामले में आरोपी बरी

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जहाजपुर ने लगभग 10 वर्ष पुराने 9 लाख 77 हजार 986 रुपये के चेक अनादरण (चेक बाउंस) मामले में आरोपी को दोषमुक्त कर दिया।

प्रकरण के अनुसार उलेला निवासी महावीर कुमार पुत्र राधेश्याम सोमाणी ने कालूराम पुत्र लक्ष्मीचंद माली निवासी उलेला के विरुद्ध परिवाद प्रस्तुत किया था। परिवादी का आरोप था कि आरोपी ने ट्रॉला खरीदने के लिए उससे 9 लाख 77 हजार 986 रुपये उधार लिए थे। राशि के भुगतान के लिए आरोपी ने स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, जहाजपुर शाखा का एक चेक दिया था।

परिवादी ने 8 नवंबर 2016 को चेक बैंक में प्रस्तुत किया, लेकिन आरोपी के खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण बैंक ने चेक को अनादरित कर रिटर्न मेमो सहित वापस लौटा दिया। इसके बाद परिवादी ने न्यायालय में परिवाद दायर किया, जिस पर आरोपी को तलब किया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी कालूराम की ओर से अधिवक्ता दीपक सिंह चौहान ने पैरवी की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी के पक्ष में निर्णय देते हुए उसे दोषमुक्त (बरी) कर दिया। आरोपी की ओर से अधिवक्ता रामजस मीणा एवं अधिवक्ता नीरज रेगर ने भी पैरवी की।

विजयनगर में होने वाले विप्र महाकुंभ को लेकर बैठक, सहभागिता का आह्वान

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। आगामी 17 जून 2026 को विजयनगर में आयोजित होने वाले भव्य विप्र महाकुंभ एवं प्रति-स्थापना समारोह की तैयारियों को लेकर सोमवार को महर्षि दधीचि गुरुकुल, कालिंजरी गेट, शाहपुरा में ब्राह्मण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए विप्र फाउंडेशन जोन 1स्र के अध्यक्ष नवीन शर्मा ने आगामी महाकुंभ की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 17 जून को राजस्थान कृषि मंडी, विजयनगर में आयोजित होने वाला यह आयोजन ब्राह्मण समाज की एकता, संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं का विराट संगम होगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से परिवार सहित अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह करते हुए कहा कि यह आयोजन समाज की शक्ति, संगठन एवं संस्कारों का परिचायक बनेगा।

नवीन शर्मा ने बताया कि महाकुंभ के अंतर्गत यज्ञोपवीत संस्कार, विशाल शोभायात्रा, कलश यात्रा, महासभा, महाआरती एवं महा ब्रह्मभोज जैसे अनेक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में परम पूजनीय

प्रखर महाराज का सान्निध्य एवं आशीर्वाद भी समाजजनों को प्राप्त होगा, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ेगी।

बैठक में उपस्थित समाज बंधुओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तन, मन और धन से सहयोग करने का भरोसा दिलाया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की एकजुटता और सक्रिय सहभागिता से यह महाकुंभ प्रदेश स्तर पर एक मिसाल बनेगा। बैठक के दौरान कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं, प्रचार-प्रसार, आमंत्रण अभियान तथा विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही अधिक से अधिक परिवारों तक कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों गोविंद नारायण शर्मा, मधुसूदन पारीक, अरुण कुमार जोशी, महेंद्र शर्मा, राकेश खंडेलवाल एवं राधेश्याम पाण्डे ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। सभी पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

बैठक में शिक्षाविद रमेश चंद्र गालरिया, सोमेश्वर व्यास, नरेश व्यास, सत्येंद्र मंडेला, कैलाश मंडेला, महावीर सुखवाल, विजय व्यास, चंद्र प्रकाश जोशी, प्रकाश दीक्षित, प्रदीप भारद्वाज, पंकज सुगंधी, रघुनंदन शर्मा, राजेंद्र गौड़, अविनाश शर्मा, सुशील गौड़, अंकित शर्मा, मनोज पुरोहित, गोल्डी पाराशर, रवि दत्त पुंडरीक, अंकुर ओझा, केशव सपूत एवं राजेंद्र सुखवाल सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बैठक के समापन पर समाजजनों ने एक स्वर में विप्र महाकुंभ को ऐतिहासिक सफलता दिलाने का संकल्प लेते हुए अधिकाधिक लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने और विजयनगर पहुंचने का आह्वान किया। आयोजकों ने विश्वास जताया कि समाज के सहयोग और सहभागिता से यह महाकुंभ ब्राह्मण समाज के लिए एक प्रेरणादायी एवं अविस्मरणीय आयोजन सिद्ध होगा।

डागुर चिनायटा बने चौबीसा अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

शेरपुर। बुधवार को ननुआ पटेल शेरपुर की अध्यक्षता मे जटनंगला में सम्पन्न हुई। जिसमें समाज के विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई ।सदन ने एक मत होकर पूर्व कार्यकारिणी के गठन पर असंतोष जाहिर किया। तथा सभी ने समाज को गति देने एवं स्वच्छ व्यक्तित्व को समाज की कमान सौंपने का निर्णय लिया । सदन ने सर्वसम्मति से रामेश्वर डागुर चिनायटा को जाट समाज चौबीसा का अध्यक्ष बनाया गया।

कार्यकारिणी में महामंत्री नरेंद्र सिंह डागुर पोछड़ी, कोषाध्यक्ष राधे पटेल हुक्मीखेड़ा, प्रवक्ता उधम सिंह डागुर शेरपुर , वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय सिंह डागुर तिलंगा ढिंढोरा, उपाध्यक्ष कल्याण सिंह धंधावली, वीर सिंह डागुर छतरीपुरा, मीडिया प्रभारी नाहर सिंह डागुर खीप का पुरा ,चरण सिंह डागुर ढिंढोरा, संगठन मंत्री गोपाल सिंह डागुर खरैटा,पूर्व प्रधान करण सिंह डागुर ढिंढोरा को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया ।

इस दौरान चौबीसा से रमेश चंद डागुर पूर्व अध्यक्ष जाट समाज चौरासी, भूदेव सिंह खरेटा,रामलाल पोछड़ी धर्मा डागुर छत्रीपुरा, भंगो से रामदयाल, सुमेर खीपकापुरा परसराम रारा शाहपुर,कामराज शेरपुर , मानसिंह खिजुरी, लछमन सोमली, गोपाल सिंह सोमला रात्रा,जगदीश भांकर धांधवली,राकेश ढिंढोरा,कलुआ हुक्मीखेड़ा, रामचरण डागुर पूर्व महामंत्री जाट समाज चौबीसा, विजय सिंह डागुर जिलाध्यक्ष राजस्थान जाट समाज करौली आदि लोग मौजूद रहे।

66वें केंद्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चौधरी निदेशक नियुक्त

स्मार्ट हलचल |उदयपुर

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद जयपुर के तत्वावधान में जिला प्रशासन सिरोही की ओर से 66वें केंद्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर के आयोजन एंव संचालन के लिए गुरु वशिष्ठ अवार्डी प्रशिक्षक व खेल अधिकारी अशोक चौधरी को शिविर निदेशक नियुक्त किया है। 4 जून से 24 जून तक आयोजित होने वाले इस शिविर में खिलाडियों को श्रेष्ठ-प्रशिक्षको की ओर से प्रशिक्षण प्रदान दिया जायेगा । जिला वॉलीबॉल संघ सचिव व राजस्थान वॉलीबॉल संघ के कोषाध्यक्ष हेमराज सोनवाल ने बताया कि अशोक चौधरी के अनुभव एवं उत्कृष्ट कार्य प्रणाली को देखते हुए क्रीड़ा परिषद ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। इस उपलब्धि के लिए जिला वॉलीबॉल संघ के सभी पदाधिकारी एवं खेल प्रेमियों ने चौधरी को बधाई देते हुए इसे गर्व की बात बताया है। उल्लेखनीय है कि विगत दो वर्षो से सिरोही और सलूंबर जिला प्रशासन द्वारा इनको सम्मानित किया जा चुका है।

अशरफी साहब का 25वां सालाना उर्स झंडे की रस्म के साथ शुरू

दरगाह पर अकीदतमंदों की उमड़ी भीड़, फातिहा और सलातो-सलाम के साथ मांगी अमन-चैन की दुआ

स्मार्ट हलचल |चित्तौड़गढ़

बूंदी रोड स्थित कौमी एकता के प्रतीक मेवाड़ के महान सूफी संत हजरत हाफिज सैय्यद सरदार अहमद कादरी चिश्ती अशरफी रहमतुल्लाह अलैह का 25वां सालाना उर्स मुबारक बुधवार को परचम कुशाई (झंडा चढ़ाने) की रस्म के साथ शुरू हुआ। उर्स के आगाज पर दरगाह परिसर में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने पहुंचकर हाजिरी दी और मुल्क में अमन, भाईचारे एवं खुशहाली की दुआ मांगी।

सज्जादानशीन हाजी मोहम्मद सलीम अशरफी ने बताया कि उर्स के प्रथम दिन कुरान शरीफ की तिलावत एवं महफिल-ए-मिलाद शरीफ के आयोजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान अशरफी साहब की मुरीदा शहनाज खान विशेष झंडा लेकर दरगाह शरीफ पहुंचीं, जहां परंपरागत विधि-विधान से परचम कुशाई की रस्म अदा की गई।

झंडा शरीफ की रस्म सज्जादानशीन मोहम्मद सलीम अशरफी, मोहम्मद यूसुफ अशरफी, मौलाना मोहम्मद उमेर अशरफी, मौलाना खलील साहब बरकाती एवं शहर काजी अब्दुल मुस्तफा चिश्ती की मौजूदगी में संपन्न हुई।

इस अवसर पर मुफ्ती उस्मान अशरफी अल-अजहरी, मौलाना जुबेर अशरफी अल-अजहरी, मौलाना जुनेद अशरफी, मौलाना खलील बरकाती एवं शोएब अशरफी ने फातिहा, दरूद-ए-ताज एवं सलातो-सलाम पेश कर विशेष दुआ की। उलेमा-ए-किराम ने देश में शांति, सद्भाव, तरक्की और इंसानियत के संदेश को मजबूत बनाने की कामना की।

उर्स समारोह में शहर काजी अब्दुल मुस्तफा चिश्ती, हाफिज जावेद, मौलाना तौसीफ, सोनू अशरफी, सईद भाई सहारा, इकबाल साहब कादरी, हारून भाई नागौरी, अब्दुल सलाम मीना, लियाकत साहब शोरगर, अब्दुल लतीफ शोरगर, यासीन छीपा, उजेर अशरफी, उमर छीपा, शरीफ छीपा, महबूब भाई, गुलाम हुसैन, रईस मोहम्मद, शकील अहमद शेख, उस्मान भाई बेगूं सहित सैकड़ों मुरीदीन एवं मोतकीदीन मौजूद रहे।

गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण, अनियमितताएं मिलने पर जुर्माना

स्मार्ट हलचल | बूंदी

उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री श्री सुमित गोदारा के निर्देशों की पालना में विधिक माप विज्ञान विभाग ने मंगलवार को गैस एजेंसियों के खिलाफ औचक निरीक्षण का अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 तथा राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 के प्रावधानों के तहत की गई। अभियान के अंतर्गत बूंदी शहर की तीन प्रमुख गैस एजेंसियों– अमर शहीद सुभाष शर्मा भारत गैस, अरुण गैस एजेंसी और मां गायत्री भारत गैस का सघन निरीक्षण किया गया, जिसमें कई अनियमितताएं सामने आईं।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर संबंधित एजेंसियों पर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि अमर शहीद सुभाष शर्मा भारत गैस पर जांच के दौरान एजेंसी पर गैस तोलने वाला कांटा असत्यापित पाया गया। इस पर एजेंसी पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। अरुण गैस एजेंसी पर कांटा असत्यापित मिलने और सत्यापन प्रमाण पत्र का प्रदर्शन नहीं करने के साथ-साथ एक 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर में 940 ग्राम गैस कम पाई गई। इस गंभीर अनियमितता पर एजेंसी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए 12,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

उन्होंने बताया कि मां गायत्री भारत गैस के निरीक्षण के दोरान गैस तौलने का कांटा असत्यापित मिला तथा सत्यापन प्रमाण पत्र प्रदर्शित नहीं किया गया था। इस पर एजेंसी को 2,500 रुपये के जुर्माने से दंडित किया गया। उन्होने बताया कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने तथा आमजन को सही माप-तौल के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया है।

पुष्कर घाटी में डंपर सुरक्षा दीवार तोड़ा, खाई में गिरी

कोई जनहानि नहीं मौक़े से ड्राईवर फ़रार

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। पुष्कर घाटी में बजरी का भरा डंपर सुरक्षा दीवार को तोड़कर खाई में गिरा गया ।

अवैध बजरी परिवहन पर पुलिस की कार्रवाई, से बचने के लिए रात्रि में बजरी भरे डम्पर पुष्कर घाटी होते हुए अजमेर जाते हैं । बुधवार रात्रि में तेज गति से डंपर अवैध बजरी परिवहन कर रहा था पुष्कर घाटी नौकरी माता मंदिर के आगे में पलटीं खाना गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार डंपर के पलटने से किसी प्रकार की जन हानि नहीं हुई ।

बजरी से भरा डंपर रात्रि 2.30 बजे की बताई जा रही हे घटना नौसर माता मंदिर के नीचे ढलान पर मोड़ पर तेज गति से जा रहा डम्पर

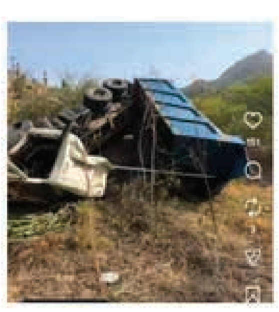

सुरक्षा दीवार को तोड़कर खाई में गिरा।बताया जाता है कि मौक़े से चालक फ़रार हो गया ।

हक़ीक़त यह है कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जाने के निर्देश दिए हुए हैं कि अवैध बजरी परिवहन कर रहे डम्पर को डिटेन कर डंपर सहित चालक को गिरफ्तार किया जाए। लेकिन सरकार के नियमों कि अवहेलना हो रही हैं।

विश्व साइकिल दिवस 2026 पर साइकिल रैली का आयोजन, युवाओं ने लिया सड़क सुरक्षा का संकल्प

स्मार्ट हलचल

अजमेर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) अजमेर द्वारा विश्व साइकिल दिवस 2026 के अवसर पर बुधवार प्रातः आनासागर चौपाटी, अजमेर से साइकिल र-ैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला युवा अधिकारी, अजमेर जयेश मीना द्वारा किया गया। रैली का शुभारंभ आनासागर चौपाटी से हुआ तथा यह वैशाली नगर पेट्रोल पंप होते हुए पुनः आनासागर चौपाटी पहुंचकर संपन्न हुई। रैली का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता

फैलाना रहा। इस अवसर पर नवगठित एवं पुनर्गठित युवा मंडलों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा 'साइकिल अपनाओ, प्रदूषण घटाओ' का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। प्रतिभागियों ने नियमित साइकिल उपयोग के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन, ईंधन की बचत तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा मित्र अभियान से जोड़ते हुए सभी प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा मित्र शपथ भी दिलाई गई। युवाओं ने यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु जागरूकता फैलाने तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। जिला युवा अधिकारी जयेश मीना ने कहा कि साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और जिम्मेदार नागरिकता का प्रतीक है।

कार्यक्रम आयोजन में महाराणा प्रताप युवा मंडल अजमेर अध्यक्ष सुश्री मीनाक्षी शर्मा, मानसी अधीर, जगदीश यादव, लोकेश कुमार, केशव अजमेरा, ऋषभ अजमेरा, लोकेंद्र सिसोदिया, पुखराज सोनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा । साथ ही साइकलिंग प्रेमी पुष्पा क्षेत्रपाल व जगदीश नारायण विजयवर्गीय , युवा साथी केंद्र अजमेर समन्वयक सुश्री अंकिता शर्मा, लेखा एवं कार्यक्रम सहायक मुरारी लाल ने कार्यक्रम में सहभागिता दी । कार्यक्रम के समापन पर रैली में सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों, नवगठित एवं पुनर्गठित युवा मंडलों के सदस्यों को प्रशंसा एवं सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

विश्व साइकिल दिवस पर साइकिल रेस का आयोजन, विजेताओं को किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। विश्व साइकिल दिवस एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद मीरा शाखा द्वारा आरटीएम के सहयोग से आरटीएम परिसर में भव्य साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रतियोगिता को पाँच अलग-अलग आयु वर्गों में आयोजित किया गया, जिससे बच्चों, किशोरों, युवाओं एवं महिलाओं प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। साइकिल रेस के माध्यम से लोगों को प्रदूषण मुक्त परिवहन अपनाने तथा

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आरटीएम के मुख्य अध्यक्ष श्री रोहित जी अरोड़ा, श्री संजीव सिंह जी एवं श्रीमती नीतू सिंह ने की। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि साइकिल न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी एक प्रभावी माध्यम है। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

प्रतियोगिता के समापन पर सभी वर्गों के विजेता प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा सभी प्रतिभागियों की खेल भावना एवं उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों, अतिथियों एवं उपस्थितजनों को एनर्जी ड्रिंक के रूप में स्ट्रॉबेरी जूस वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

भारत विकास परिषद मीरा शाखा एवं आरटीएम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान शाखा की संरक्षिका मंजू भराड़ीया, सचिव सुधा फलेट, कोषाध्यक्ष राजेश बिरला, उपाध्यक्ष रजनी क्षोत्रि,य संस्कार प्रभारी वंदना लड्डा,पर्यावरण प्रभारी मनीषा शर्मा, गायत्री सेठिया, अनसूया तोमर,आशा पारवानी उपस्थत रही।

राज्य व केंद्र सरकार हर मोर्चे पर विफल-डोटासरा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष महावीर मीणा के नेतृत्व में डोटासरा व टीकाराम जूली का जोरदार स्वागत

स्मार्ट हलचल | बूंदी

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का बुधवार दोपहर को बूंदी टनल के पास जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महावीर मीणा के नेतृत्व में ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया।

मूलभूत अधिकारों के लिये जूझ रही जनता -डोटासरा

इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल जा रही है।जनता को अपने मूलभूत अधिकारों के लिये भी तरसना पड़ रहा है।उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध हर स्तर पर मजबूती से आवाज उठाने का आव्हान किया।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासराने

जिलाध्यक्ष महावीर मीणा को माला पहनाकर पीठ थपथपायी।

बिजली कटौती से जनता त्रस्त- जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश भर में गर्मी में बिजली की भारी कटौती की जा रही है।उन्होंने कहा कि डीजल पेट्रोल की लगातार कीमत व्रद्धि से लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है और जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है।जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष महावीर मीणा ने कहा कि बूंदी जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ता सरकार के हर अन्याय का विरोध करेंगे।मीणा ने कहा कि सरकार व प्रशासन की दमनकारी नीतियों को बर्दाश्त नही किया जायेगा।

इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा, सत्येश शर्मा, बूंदी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामकरण मीणा, हिंडोली ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मण बैरवा, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष चंद्रावती कंवर, कांग्रेस नेता करण सिंह, संजय तम्बोली, जगरूप सिंह रंधावा, बाबूलाल वर्मा, महेश दाधीच, डॉ डीके मेघवाल, मोडूलाल वर्मा, इश्तियाक अली, चेतराम मीणा, पूर्व प्रधान मधु वर्मा, इकरामुद्दीन बबलू, अशोक दाधीच, शैलेश सोनी, देवराज गोचर, निशांत नुवाल, टीकम जैन, शैलेश करवा, मदनलाल गुर्जर, किशनगोपाल मीणा, गिरिराज मीणा भीमगंज, छैलबिहारी दाधीच, महावीर गुर्जर, मनवीर सिंह, राकेश मीणा आमली, लोकेश सुखवाल, कीर्ति सुखवाल, मधु जैन, राधेश्याम मीणा, हरिओम मालव, राजेन्द्र मीणा, हरलाल गुर्जर, यासीन कुरैशी, अर्जुन डाबोडिया, हारून खान, गौरव कपूर, अमन राठौर, सुजल वर्मा, सत्यम वैष्णव, बिरजू मेहरा, नन्दकिशोर गुर्जरआदि उपस्थित रहे।

पानी, बिजली और जर्जर सड़कों पर फूटा जनाक्रोश, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। फूलियाकलां-उपखंड क्षेत्र में पेयजल संकट, अघोषित बिजली कटौती, जर्जर सड़कों, अवैध बजरी दोहन और प्रशासनिक लापरवाही से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा खुलकर सामने आया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के मुकेश जाट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर नारेबाजी की तथा राज्यपाल के नाम तहसील प्रशासन को ज्ञापनसौंपकर विभिन्न

जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में चंबल परियोजना के तहत पर्याप्त पानी उपलब्ध होने के बावजूद नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। कई गांवों में पेयजल व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अघोषित बिजली कटौती से आमजन और किसान दोनों प्रभावित हैं। दिन और रात में बार-बार बिजली बाधित होने से घरेलू कार्यों के साथ कृषि गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं।

ग्रामीणों ने खारी नदी में हो रहे कथित अवैध बजरी खनन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में कहा गया कि न्यायालय के निर्देशों के बावजूद बड़े पैमाने पर बजरी का दोहन जारी है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ क्षेत्र की सड़कों की स्थिति भी बदतर हो गई है। स्थानीय प्रशासन पर इस अवैध गतिविधि को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया गया।

प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि केकड़ी से सरसुन्दा चौराहे होते हुए धनोप तक जाने वाली मुख्य सड़क का निर्माण कार्य तीन वर्ष बाद भी अधूरा पड़ा है। भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें जगह-जगह टूट चुकी हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। विशेष रूप से मेवाड़ के प्रमुख धार्मिक स्थल धनोप माताजी मंदिर को जोड़ने वाला मार्ग अत्यधिक क्षतिग्रस्त होने से श्रद्धालुओं और यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

ज्ञापन में तहसील क्षेत्र के पटवारियों की अनुपस्थिति का मुद्दा भी उठाया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अधिकांश पटवारी अपने निर्धारित पटवार घरों में नहीं बैठते, जिससे किसानों और आमजन के राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पटवारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए सभी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाए।

गंदे पेयजल की शिकायत पर जयपुर से पहुंची टीम, 18 पानी के सैंपल लिए

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। कस्बे में पिछले कई दिनों से नलों की पेयजल सप्लाई में गंदा पानी आने की शिकायतों के बाद बुधवार को जलदाय विभाग जयपुर की टीम जांच के लिए नारायणपुर पहुंची। जलदाय विभाग के एईएन अमित शर्मा की मौजूदगी में पीएचईडी के लैब असिस्टेंट लोकेन्द्र सिंह ने कस्बे के करीब एक दर्जन मोहल्लों में घर-घर जाकर नलों से आ रहे पानी के नमूने एकत्रित किए। जांच के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से कुल 18 पानी के सैंपल लिए गए। इसके अलावा पेयजल आपूर्ति की टंकियों से भी नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। लैब असिस्टेंट लोकेन्द्र सिंह ने बताया कि सभी सैंपलों की जांच रिपोर्ट करीब 48 घंटे में प्राप्त होगी, जिसके बाद पानी की गुणवत्ता और गंदगी के कारणों का पता चल सकेगा।

इस दौरान जलदाय विभाग के उमेश शर्मा, आनंद पारीक, पप्पू शर्मा सहित अन्य कर्मचारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़, 42 सिलेंडर जब्त

लंबे समय से चल रहा था यह खतरनाक कारोबार, एसपी अग्रवाला के निर्देशों पर हुई बड़ी कार्यवाही

स्मार्ट हलचल

अजमेर। मांगलियावास थाना क्षेत्र के केसरपुरा स्थित होटल काका के पास पार्किंग स्थल पर अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 42 व्यावसायिक गैस सिलेंडर एक गैस टैंकर और एक पिकअप को जब्त किया है इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशों पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मांगलियावास थाना प्रभारी हरीश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस एवं रसद विभाग की संयुक्त टीम ने कार्यवाही को अंजाम दिया। मौके पर गैस टैंकर से सिलेंडरों में अवैध रूप से गैस भरी जा रही थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कीर्ति नगर फॉय सागर रोड, पुलिस थाना गंज निवासी मनोज गुर्जर पुत्र जगदीश गुर्जर उम्र 33 साल के रूप में हुई है पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि लंबे समय से फल फूल रहा था अवैध कारोबार जानकारों का कहना है की मांग लिया और थाना क्षेत्र सहित आसपास के कई थाना क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार लंबे समय से संचालित हो रहा है।इसके बावजूद अब तक के प्रभावी कार्यवाही नहीं होने से यह नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। ताजा पुलिस कार्यवाही बाद क्षेत्र के लोगों को उम्मीद है कि पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क तक पहुंचेगी और इस खतरनाक कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाएगा।

इस अवैध कारोबार से कुछ लोगों का ही फायदा हो रहा है लेकिन हजारों लोगों की जान जोखिम में रहती है अवैध गैस रिफिलिंग का यह कारोबार केवल गैरकानूनी ही नहीं बल्कि बेहद खतरनाक भी है कुछ लोगों को इससे आर्थिक लाभ जरूर होता है लेकिन जरा सी चुटिया तकनीक की गड़बड़ी बड़े विस्फोट का कारण बन सकती है यदि रिफायनिंग के दौरान आग लग जाए या सिलेंडर फट जाए तो आसपास रहने वाले परिवारों, दुकानदारों, राहगीरों और सड़क से गुजरने वाले निर्देश लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है।

ऐसे हादसों में भारी जनहानि और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान होने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पुलिस केवल एक आरोपी की गिरफ्तारी तक सीमित ना रहे बल्कि इस अवैध कारोबार के पूरे नेटवर्क की जांच कर इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जावे लोगों का कहना है कि समय रहते इस कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाना जरूरी है ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे की संभावना को समाप्त किया जा सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्दी ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्यवाही की जा सकती है।

टोंक में माली समाज का प्रदर्शन-फुले दंपति की प्रतिमा स्थापना को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिला माली समाज के जिलाध्यक्ष पांचूलाल सैनी के नेतृत्व में बुधवार को समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर टीना डाबी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा राव फुले एवं देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने की मांग उठाई।

माली सैनी समाज के प्रतिनिधि महात्मा ज्योतिबा राव फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की तस्वीरें लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर 11 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2028 तक दो वर्षों तक राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव मनाने की घोषणा की गई है।इसके बावजूद टोंक जिले में लंबे समय से की जा रही प्रतिमा स्थापना की मांग अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि नगर परिषद टोंक की साधारण सभा में बरखेड़ा बाबा तिराहे का नामांतरण 'ज्योतिबा फुले सर्किल' करने का प्रस्ताव पहले ही पारित किया जा चुका है। अब केवल प्रतिमा स्थापना के लिए स्थान आवंटन किया जाना शेष है। माली सैनी समाज ने मांग की कि बरखेड़ा तिराहा सिविल लाइन टोंक पर महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा तथा मोदी की चौकी चौराहे पर माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित की जाए। इस दौरान समाज के तहसील अध्यक्ष श्रीराम बडीवाल, रामदयाल सैनी, पूर्व सदर अध्यक्ष शंकरलाल धुंवारिया, रामधन सैनी, लखन सैनी, कल्याण बडीवाल, पवन सैनी, पानमल सैनी, कमलेश सैनी, संजय सैनी, पीरु सैनी, रामलाल सांखला, लक्ष्मण सैनी, रामफूल सांखला, टोनी सैनी, कानाराम सैनी, पेंटर विजय जादम, किशनलाल सैनी, घासी कोतवाल सहित समाज के कई वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिलाड़ा की बेटी प्रिंसी सोनी ने आईआईटी में चयन होकर बढ़ाया मान

स्मार्ट हलचल

बिलाड़ा/जोधपुर। क्षेत्र की होनहार प्रतिभाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अगर दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन मिले, तो कोई भी मुकाम हासिल करना नामुमकिन नहीं है। इसी कड़ी में बिलाड़ा की बेटी प्रिंसी सोनी ने देश की सबसे प्रतिष्ठित अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा आईआईटी में शानदार सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रिंसी सोनी, पुत्री अमृत राज सोनी एवं पोत्री सोहन लाल मिरंडिया (गरनिया वाले) बिलाड़ा ने अपनी इस सफलता से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे बिलाड़ा और सोनी समाज का गौरव बढ़ाया है।

प्रिंसी ने अपनी इस सफलता का श्रेय कड़े परिश्रम और सही रणनीतिक मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान 'आकाश मेडिकल 7 आईआईटी-जेईई फाउंडेशन्स' (जोधपुर केंद्र) से अपनी तैयारी पूरी की थी। परीक्षा के परिणाम आने के बाद संस्थान और परिवार में जश्न का माहौल है। संस्थान द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में प्रिंसी सोनी को माला और साफा पहनाकर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

देवली-उनियारा के 6 कस्बों में बनेंगे किसान विश्राम स्थल, 32.24 लाख स्वीकृत

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र के 6 ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर किसान विश्राम स्थल बनाए जाएंगे। इसके लिए राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने 32.24 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। विधायक राजेंद्र गुर्जर की अनुशंसा पर यह स्वीकृति मिली है। बनेठा, ककोड़, पलाई, खोहल्या, धुँआकला व नगरफोर्ट में इन विश्राम स्थलों का निर्माण होगा।

विधायक गुर्जर ने सीएम भजनलाल शर्मा और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा का आभार जताया। कृषि विपणन बोर्ड जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू करवाएगा। इन विश्राम स्थलों के बनने से क्षेत्र के करीब 20 हजार किसानों व ग्रामीणों को धूप-बारिश में ठहरने की सुविधा मिलेगी। यह राज्य सरकार की अन्नदाताओं के लिए महत्वपूर्ण पहल है।

सूरतगढ़-जयपुर रेल सेवा रहेगी रीशेड्यूल

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा मेड़ता रोड-डेगाना रेलखंड के रेन एवं जालसू स्टेशनों के बीच रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) निर्माण कार्य के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते रेल यातायात पर प्रभाव पड़ेगा तथा कुछ रेल सेवाओं के संचालन समय में बदलाव किया गया है।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि आरयूबी निर्माण कार्य को सुरक्षित एवं सुचारू रूप से पूरा करने के लिए निर्धारित ब्लॉक लिया जा रहा है। इसके कारण गाड़ी संख्या 19720 सूरतगढ़-जयपुर रेल सेवा को रीशेड्यूल किया गया है।

रेलवे प्रशासन के अनुसार यह ट्रेन 4 जून 2026 को सूरतगढ़ स्टेशन से अपने निर्धारित समय की बजाय एक घंटे की देरी से प्र-स्थान करेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान: श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/अजमेर। राज्य सरकार द्वारा संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत ग्राम खोरी स्थित वैद्यनाथ महादेव मंदिर परिसर एवं जल स्रोत क्षेत्र में श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल स्रोतों की सफाई, गाद एवं कचरा हटाने तथा जल संरक्षण के प्रति जनजागरण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर, तहसीलदार इन्द्रजीत सिंह चौहान, विकास अधिकारी सुधीर पाठक, पूर्व सरपंच घनश्याम सिंह कड़ेल, सरपंच कानस महेन्द्र सिंह रावत, अरविन्द पारीक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वयं श्रमदान कर जल स्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही ग्रामीणों को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की नियमित सफाई एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की शपथ भी दिलाई गई। उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। जल स्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अभियान के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता का प्रभावी संदेश दिया गया।

माली समाज ने फुले दंपति की प्रतिमा स्थापना की मांग, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। टोंक जिला माली समाज के जिलाध्यक्ष पांचू लाल सैनी के नेतृत्व में बुधवार को जिला कलेक्टर टीना डाबी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। समाज ने महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर 11 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2028 तक दो वर्षीय राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव की घोषणा की है।

माली-सैनी समाज वर्षों से दोनों समाज सुधारकों की प्रतिमा स्थापना की मांग कर रहा है। नगर परिषद टोंक की साधारण सभा में बरखेड़ा बाबा तिराहे का नाम बदलकर ज्योतिबा फुले सर्किल करने का प्रस्ताव पारित हो चुका है। अब केवल प्रतिमा स्थापना के लिए स्थान आवंटन शेष है।समाज ने मांग की है कि बरखेड़ा तिराहा, सिविल लाइन टोंक पर महात्मा ज्योतिबा फुले और मोदी की चौकी चौराहा पर माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित की जाए।इस दौरान समाज के प्रतिनिधि महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले की तस्वीर लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। मौके पर तहसील अध्यक्ष राम बडीवाल, रामदयाल सैनी, पूर्व सदर अध्यक्ष शंकर लाल धुंवारिया, रामधन सैनी, लखन सैनी, कल्याण बडीवाल, पवन सैनी, पान मल सैनी, कमलेश सैनी, संजय सैनी, पीरु सैनी, रामलाल सांखला, लक्ष्मण सैनी, रामफूल सांखला, टोनी सैनी, कानाराम सैनी, पेंटर विजय जादम, किशन लाल सैनी, घासी कोतवाल सहित कई वरिष्ठ व युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रूपनगर में बड़ी कार्रवाई: वर्षों से बंद पड़ा सार्वजनिक मार्ग हुआ बहाल

स्मार्ट हलचल

नागौर/ मेड़ता रोड। जिला प्रशासन नागौर द्वारा चलाए जा रहे 'रास्ता खोलो अभियान' के तहत जायल तहसील के ग्राम रूपनगर में वर्षों पुराने अतिक्रमण को हटाकर एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक रास्ते को आमजन के लिए पुनः खोल दिया गया। इस कार्रवाई से ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिली है।

जानकारी के अनुसार ग्राम रूपनगर स्थित खसरा संख्या 568 में दर्ज गैर मुमकिन रास्ता, जो बरनानाडा से बालाजीनगर होते हुए खसरा संख्या 567 एवं 634 तक जाता है, लंबे समय से कच्चे अतिक्रमण की चपेट में था। करीब एक किलोमीटर से अधिक लंबे और पर्याप्त चौड़ाई वाले इस मार्ग के बाधित होने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार के निर्देश एवं उपखंड अधिकारी जायल के मार्गदर्शन में तहसीलदार जायल के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। प्रशासन द्वारा ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर आपसी सहमति एवं समझाइश के माध्यम से अतिक्रमण हटवाया गया। मार्ग खुलने के बाद क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से बंद पड़े रास्ते के खुलने से अब आवागमन सुगम हो गया है और समय की भी बचत होगी। प्रशासन की इस पहल को ग्रामीणों ने जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया है।

'रास्ता खोलो अभियान' के तहत जिले में सार्वजनिक रास्तों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को उनके वैध मार्गों का लाभ मिल रहा है।

सार्वजनिक धर्मशाला की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता, ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। कस्बे के सदर बाजार स्थित सुगनचंद केदारनाथ डागा सार्वजनिक धर्मशाला को लेकर विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। धर्मशाला की सुरक्षा एवं सार्वजनिक स्वरूप बनाए रखने की मांग को लेकर ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने उपखंड अधिकारी मेड़ता को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि धर्मशाला परिसर में स्थित मकरध्वज भगवान का मंदिर क्षेत्रवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां वर्षों से श्रद्धालु नियमित रूप से पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। वर्तमान में धर्मशाला भवन जर्जर अवस्था में है तथा पिछले डेढ़-दो वर्षों से इस भूमि पर कथित रूप से भूमाफियाओं की नजर होने के कारण समय-समय पर विवाद की स्थिति बनती रही है।

ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार रात कुछ लोगों द्वारा धर्मशाला का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने की घटना के बाद बुधवार सुबह क्षेत्र में माहौल गरमा गया। घटना से चिंतित लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर धर्मशाला और मंदिर परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने वालों में रामनिवास लटियाल, ब्रम्हाणी माता मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष रामविलाश शर्मा, कैलाश शर्मा, रामेश्वर गहलोत, मुकेश बंजारा, चेतनस्वरूप चौहान, लूमनाथ सपेरा, रामनिवास जाजड़ा, ओमपुरी, रामनारायण शर्मा, जसाराम लटियाल, नरसीराम मेघवाल सहित अन्य नागरिक शामिल रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि धर्मशाला सार्वजनिक संपत्ति है, इसलिए इसका उपयोग एवं उपभोग आमजन के हित में ही होना चाहिए तथा इसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

पलाई में अब डबल शिफ्ट में मिलेगा बीसलपुर का पानी

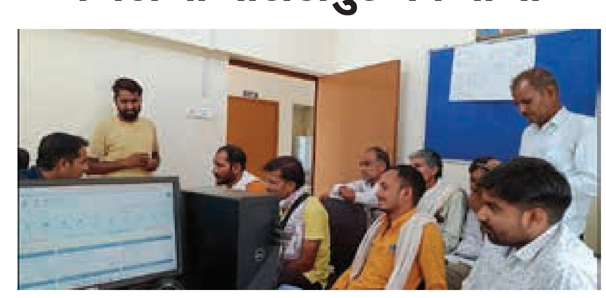

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट पलाई कस्बे में पानी की समस्या को लेकर भारतीय किसान संघ की पहल सफल रही। उनियारा के पूर्व तहसील अध्यक्ष रामकिशन धाकड़ के नेतृत्व में जिला उपाध्यक्ष मदन कुमावत व ग्रामीणों ने कई बार धरना-प्रदर्शन कर कलेक्टर, एसडीएम और बीसलपुर विभाग को ज्ञापन सौंपे थे। इसके बाद बीसलपुर परियोजना एइएन धर्मराज मीणा ने उनियारा कार्यालय में किसान संघ के प्रतिनिधियों से वार्ता की और समस्या के तुरंत निस्तारण का आश्वासन दिया।

पलाई कस्बे में अब रोजाना डबल शिफ्ट में पानी की टंकी भरकर सप्लाई होगी, मोहल्लों में जोन बनाकर जल वितरण किया जाएगा। तेजाजी के रास्ते पर नई वॉल्व/प्लेट लगेगी, जिससे पूरे क्षेत्र को शुद्ध पानी मिलेगा धर्मराज मीणा ने ग्रामीणों से अपील की कि नलों पर अवैध बूस्टर न लगाएं, टोटी लगाकर रखें और पानी व्यर्थ न बहाएं। उल्लंघन पर कनेक्शन काटने व कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। किसान संघ ने कस्बे की आबादी के हिसाब से एक बड़े उच्च जलाशय टैंक निर्माण की मांग भी रखी, ताकि पेयजल आपूर्ति बेहतर हो सके। वार्ता में मदन कुमावत, रामकिशन धाकड़, नंदकिशोर जांगिड़, महेंद्र कुमार धाकड़, रामनिवास धाकड़, सोजी लाल धाकड़ सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर ही स्वीकृत किए पानी के टैंकर

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और प्रशासन को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाने के उद्देश्य से मसूदा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत नाडी में एक भव्य रात्रि चौपाल और जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर कमल राम मीना की अध्यक्षता में आयोजित इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रामीणों ने पेयजल, बिजली, सड़क, राजस्व, शिक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े अपने अभाव-अभियोग और सुझाव कलेक्टर के सामने रखे।

पेयजल संकट पर तुरंत एक्शन, मौके पर टैंकर स्वीकृत जनसुनवाई के दौरान कुल 25 मामले सामने आए, जिनमें से 4 मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। चौपाल में जब ग्रामीणों ने पानी की किल्लत की शिकायत की, तो जिला कलेक्टर ने तुरंत एक्शन लिया। उन्होंने मौके पर ही मौजूद पीएचईडी के सहायक अभियंता को निर्देश देकर तुरंत पानी के टैंकर स्वीकृत करवाए। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने कलेक्टर का आभार जताया।

अधिकारियों को सख्त निर्देश: लापरवाही बर्दाश्त नहीं शेष बचे मामलों के समयबद्ध निस्तारण के लिए जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। कलेक्टर ने दो टूक शब्दों में कहा:

'आमजन को राहत पहुंचाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। सभी अधिकारी जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करें।' जल संरक्षण का दिलाया संकल्प इस मौके पर ग्रामीणों को पानी के महत्व को समझाने और जल स्रोतों को बचाने के लिए 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के तहत जल संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। यह अधिकारी रहे मौजूद इस रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद हुआ। कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी दीपशिखा, विकास अधिकारी संदेश पाराशर, तहसीलदार रामप्रसाद चौधरी सहित विभिन्न सरकारी विभागों के आला अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

घोर लापरवाही : झिलाय रोड स्थित रिया धर्मकांटे पर नियमों को ताक पर रखकर चल रहा वेल्डिंग और आयरन वर्क

धर्मकांटे की आड़ में फैला प्रदूषण-अवैध गतिविधियों के आरोपों से क्षेत्र में आक्रोश

स्मार्ट हलचल

टोंक/निवाई। स्थानीय कृषि मंडी क्षेत्र के झिलाय रोड स्थित 'रिया धर्मकांटे' पर इन दिनों नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। किराये पर संचालित इस धर्मकांटे की आड़ में भारी पैमाने पर वेल्डिंग और आयरन वर्क (लोहे का कार्य) किए जाने का मामला सामने आया है। इससे क्षेत्र में पर्यावरण प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, धर्मकांटे के परिसर में व्यावसायिक नियमों के विपरीत खुलेआम लोहे की कटाई, घिसाई और वेल्डिंग का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान निकलने वाली चिंगारियां, जहरीला धुआं और दिनभर होने वाला तेज शोर आसपास के वातावरण को दूषित कर रहा है।कृषि मंडी क्षेत्र होने के कारण यहां किसानों और वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। ऐसे में खुले में किए जा रहे वेल्डिंग कार्य से कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका जताई जा रही है।

अवैध गतिविधियों के आरोपों से बढ़ी चिंता

स्थानीय निवासियों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि मामला केवल प्रदूषण तक सीमित नहीं है। लोगों का आरोप है कि धर्मकांटे की आड़ में लंबे समय से कई प्रकार की संदिग्ध और अवैध गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। आरोप है कि सूर्यास्त के बाद परिसर में संदिग्ध लोगों का जमावड़ा लगने लगता है, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा और शांति व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी

स्थानीय निवासियों का कहना है कि धर्मकांटे का मूल कार्य केवल वाहनों का वजन करना होता है, लेकिन यहां नियमों को ताक पर रखकर पूरा कारखाना संचालित किया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि इससे न केवल प्रदूषण फैल रहा है, बल्कि क्षेत्र का माहौल भी खराब हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करते हुए ऐसे कार्यों पर रोक लगाने की मांग की है।

प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार

एक ओर राज्य सरकार और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की बात कर रहे हैं, वहीं झिलाय रोड स्थित इस परिसर में खुलेआम नियमों की अनदेखी प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रही है। अब देखना यह होगा कि स्थानीय प्रशासन, कृषि मंडी समिति और प्रदूषण नियंत्रण विभाग इस गंभीर मामले का संज्ञान लेकर कब तक कार्रवाई करते हैं।

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्त्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं जहां दोनों ओर के लोग एक-दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस सुझाव पर हुई जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती।

इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन्द्र शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वाताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन्द्र शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जताई गई और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन्द्र शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की।

बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार-बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की हालिया टिप्पणियां इसी का उदाहरण बन गई हैं, जहां भारत पर निशाना साधने की कोशिश से अधिक नुकसान उन्हें अपने ही देश के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में उठाना पड़ा है।

संपादकीय

विराट और वैभव

भले ही फटाफट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाला आईपीएल बाजार और नई पीढ़ी के जुनून का संगम हो, लेकिन लोकप्रियता के नये आयाम तय करता यह खेल अब दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की पहली पसंद बन गया है। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे चमकीले सितारे बनकर उभरे टी-20 सनसनी वैभव सूर्यवंशी। महज पंद्रह साल की उम्र में उनकी कामयाबी हैरत में डालने वाली है। वहीं अनुभवी क्रिकेटर विराट कोहली ने अपने खास अंदाज में सबका ध्यान आकर्षित किया। इस 37 वर्षीय दिग्गज क्रिकेटर ने फाइनल में तूफानी अर्धशतक लगाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को लगातार दूसरी बार ट्रॉफी दिलाई। दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मनःस्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी-20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दशार्ती है। निस्संदेह, हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग सीजन ने साफ दिखाया कि दो पीढ़ियों के क्रिकेटर कैसे एक-दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं। वास्तव में, विराट कोहली आज भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी की छवि को बनाये हुए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे उदीयमान खिलाड़ी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस फटाफट क्रिकेट में खेल का निरंतर विकास होता रहेगा। यह सुखद ही है कि राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी सूर्यवंशी ने अधिकांश पुरस्कार अपने नाम किए हैं। मसलन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइक ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप विजेता और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे खिताब हासिल किए।

चिंतन-मनन

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है? क्या वह जो सिर्फ परिचित है? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है?

प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरूआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर।

कोई मित्र अवसरवादी होता है, वह विपत्ति में साथ नहीं देगा। कोई मित्र शत्रु बन जाता है और अलगाव का दोष भी हमें ही देता है। कोई मित्र हमारे यहां खाता-पीता है, किंतु विपत्ति के वक्ति दिखाई नहीं देता। समृद्धि के दिनों में वह हमारा अंतरंग बन कर रौब जमाता है, किंतु दुर्दिन आते ही शत्रु बनकर मुंह फेर लेता है। परीक्षा लेने के बाद किसी को मित्र बना लो, लेकिन उस पर तुरंत विश्वास मत करो। अपमान, अहंकार और विश्वासघात के कारण मित्रता टूट जाती है। कभी ऐसा भी होता है, जिस दोस्त पर हम सबसे ज्यादा विश्वास व भरोसा करते हैं, वही विश्वासघात करता है और हृदय पर चोट लगने पर मित्रता टूट जाती है।

अगर, हम संकट और दरिद्रता में मित्र का साथ दें तो उसकी समृद्धि और विरासत के साझेदार बन सकते हैं। सच्चा दोस्त जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उससे घर-परिवार व समाज में पहचान बनती है। सच्चा मित्र प्रबल सहायक है। जिसे मिल जाता है, समझो उसे खजाना मिल गया। ऐसे मित्र की कीमत धन से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा मित्र असल में संजीवनी है। इंसान जैसा है, उसका मित्र भी वैसा ही होगा।

विश्व साइकिल दिवस: प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

दिलीप कुमार पाठक

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है।

आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिल को अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहाँ बड़े-बड़े अधिकारी और सजग नागरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप्स का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते। साइकिल चलाना पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि एक बेहद जागरूक, समझदार और आधुनिक नागरिक होने की पहचान है। इस विश्व साइकिल दिवस पर हमें केवल औपचारिक संदेश भेजने के बजाय एक छोटा सा व्यावहारिक संकल्प लेना चाहिए। तय करें कि सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन हम अपनी गाड़ियों को आराम देंगे और नजदीकी कामों के लिए साइकिल की सवारी करेंगे। जब आपकी साइकिल का पहिया घूमता है, तो देश की सेहत और पर्यावरण का पहिया भी सही दिशा में आगे बढ़ता है।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

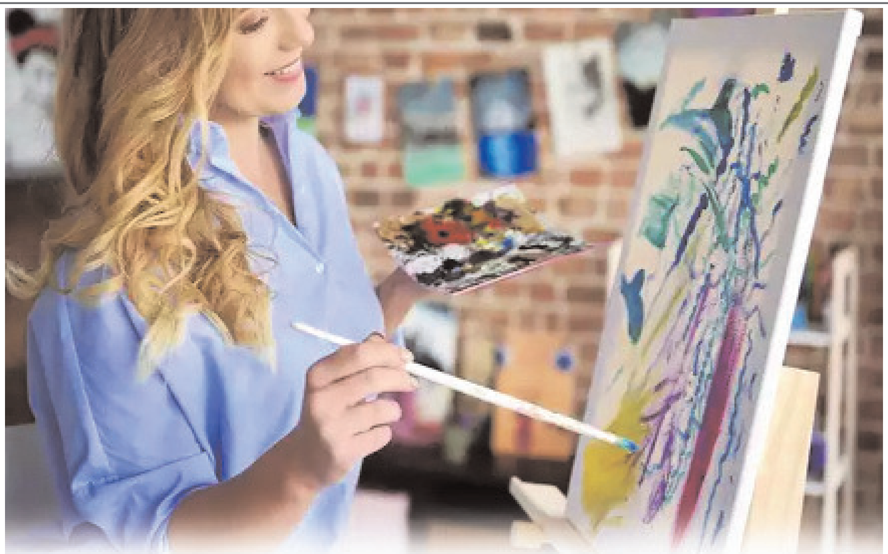

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

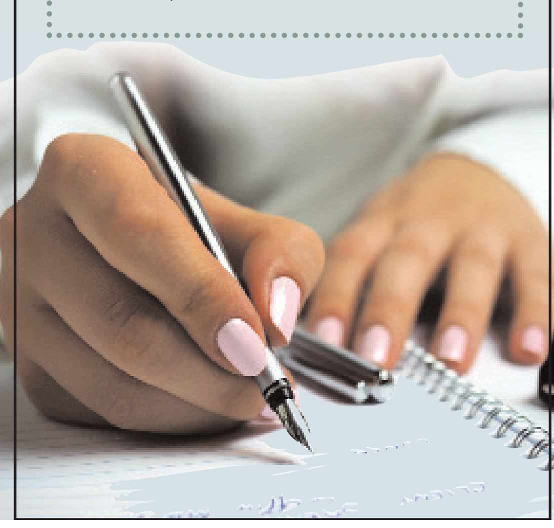

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com